दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-101 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 26 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

महाराष्ट्र के धुले जिले में भीषण सड़क हादसा, छह लोगों की मौत, 26 घायल

धुले,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के धुले जिले के लालिंग घाट इलाके में हुए भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं, 26 लोग घायल बताए जा रहे हैं. यह सड़का हादसा जिले के लालिंग घाट इलाके में सुबह के समय हुई। मिली जानकारी के मुताबिक, हादसा रेत से भरे डंपर और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर के कारण हुआ. इस घटना के तुरंत बाद टोल प्लाजा स्टाफ और एक पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और घायलों को निकालने के काम में लग गई. इसी दौरान यात्रियों से भरी एक तेज रफ्तार बस ने ट्रंक और डंपर को टक्कर मारी.इस जबरदस्त टक्कर में, पैसेंजर बस के केबिन में बैठे कई लोगों की तुरंत मौत हो गई. इस हादसे में 20 से 22 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत इलाज के लिए धुले जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है.पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी अभी मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं. हादसे की वजह से इलाके में कुछ देर के लिए ट्रैफिक जाम रहा. इस सड़क हादसे की सही वजह अभी तक साफ नहीं है. पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नीट पेपर लीक मामले के एक और आरोपी को छह दिनों की सीबीआई हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार एक और आरोपी को 6 दिनों की सीबीआई हिरासत में भेज दिया है. कोर्ट मनीषा संजय हवलदार को सीबीआई हिरासत में भेजने का आदेश दिया.सीबीआई ने मनीषा को पुणे से 24 मई को गिरफ्तार किया था. सीबीआई के मुताबिक मनीषा संजय हवलदार एनटीए के पैनल में शामिल एक फिजिक्स ट्रांसलेटर है. वो फिजिक्स का पेपर तैयार करने और लीक हुए पेपर को प्रसारित करने में शामिल थी. पेश करने के बाद सीबीआई ने कोर्ट से कहा कि सह-आरोपियों से आमना सामना कराने के लिए छह दिन की पुलिस हिरासत की जरुरत है. मनीषा संजय हवलदार दसवीं आरोपी है।

फ्रांस से 114 राफेल विमान खरीदेगा भारत, 90 का निर्माण देश में ही होगा

नईदिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय वायुसेना की ताकत बढ़ाने के लिए रक्षा मंत्रालय ने एक और बड़ा कदम उठाया है। सरकार फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने जा रही है। इसके लिए अनुरोध पत्र (लोआर) को अंतिम रूप दे दिया गया है और इसे जल्द ही फ्रांस को सौंपा जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इन 114 में से लगभग 90 का निर्माण फ्रांसीसी और भारतीय कंपनी संयुक्त रूप से भारत में ही करेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, 90 विमानों का निर्माण घरेलू स्तर पर फ्रांसीसी निर्माता डसॉल्ट एविएशन और एक भारतीय कंपनी के बीच सहयोग से मिलकर होगा। वहीं, बाकी विमान उड़ान भरने के लिए तैयार स्थिति में मिलेंगे। रिपोर्ट में वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि फ्रांस के लोआर का जवाब देने के तुरंत बाद भारत खरीद के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) को औपचारिक रूप देगा।भारत सौदे के तहत लगभग 50 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री शामिल करने की योजना बना रहा है। साथ ही विमान के इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंट (आईसीडी) हासिल करने पर भी जोर दे रहा है।

गंगा दशहरा पर हुए जल संरक्षण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 88.04 करोड़ रुपये के 12 विकास कार्यों का भूमिपूजन कर धार जिलेवासियों को दी सौगात

धार में राज्य सरकार बनायेगी भव्य सरस्वती लोकः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोजशाला के लिए हुए आंदोलन में शहादत देने वाले तीन शहीदों के परिजन को दिये जायेंगे 5-5 लाख रुपये

धार/भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धार स्थित भोजशाला परिसर में राज्य सरकार भव्य सरस्वती लोक बनायेगी, यहॉ राजा भोज संस्थान की स्थापना भी की जायेगी। ऐतिहासिक भोजशाला पर माननीय उच्च न्यायालय ने जो निर्णय दिया है, राज्य सरकार इस न्यायिक आदेश का अक्षरशः पालन कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजा भोजपाल द्वारा स्थापित यह भोजशाला सदियों तक ज्ञान-विज्ञान-अनुसंधान और संस्कृत भाषा का सबसे प्रखर केन्द्र रहा है। यह हमारी प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा का अटूट प्रतीक है। यहाँ दूर-दूर से छात्र और विद्वान ज्ञान अर्जित करने और शास्त्रों पर विमर्श करने आते थे। राज्य सरकार भोजशाला के उसी गौरवशाली अतीत को पुनर्जीवित करने के लिए सभी जरूरी प्रयास करेगी। राजा भोज की इस पुण्य धरा (धार) में अब चहुंमुखी विकास की नई धारा बहेगी। धार के आसपास पुरात्व विभाग से समन्वय कर सभी प्रकार के विकास कार्य किए जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजा भोज जल संरक्षण के अग्रदूत थे। उनके द्वारा निर्मित विशाल जलाशय, तालाब और जल प्रबंधन की व्यवस्थाएं आज भी उनकी अद्भुत दूरदर्शिता एवं जल नियोजन का प्रमाण हैं। धार को किसी समय तालाबों की नगरी कहा जाता था। राजा भोज ने इस शहर में जलापूर्ति के लिए यहां साढ़े बारह तालाबों का निर्माण कराया गया था और इन्हें आपस में इस तरह से जोड़ा गया था कि एक तालाब भरने पर उसका अतिरिक्त पानी दूसरे तालाब में स्वतः चला जाता था। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान से प्रदेश में जल संवर्धन की नई क्रांति आएगी। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन में खण्डवा, बड़वानी, अशोकनगर, राजगढ़ और डिंडौरी के बाद धार जिला छठवें स्थान पर है। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में जल संरक्षण के 5 हजार से अधिक काम पूर्ण किये गये है, इसी तरह धार नगरपालिका क्षेत्र में 64 प्राचीन बावड़ियों एवं तालाबों का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को धार में जल गंगा संवर्धन अभियान के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। गंगा दशहरा पर सोमवार को प्रदेशव्यापी जल संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धार में हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मां वाग्देवी के सम्मान में धार में भव्य सरस्वती लोक बनायें जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह राजा भोज की कर्मस्थली है, इसीलिए धार में राजा भोज शोध संस्थान की भी स्थापना की जायेगी। भोपाल में भी राजा भोज का संग्रहालय बनाया जा रहा है। इस अवसर पर केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, नगरीय विकास व आवास एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा धार जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, धार की विधायिका श्रीमती नीनाविक्रम वर्मा, विधायक कालू सिंह ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां 88.04 करोड़ रुपये की लागत वाले 12 विकास कार्यों का भूमिपूजन कर जिलेवासियों को सौगात दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गंगा दशहरा पर देवी सागर तालाब में किया श्रमदान

धार। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को धार जिले के धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के देवी सागर तालाब के गहरीकरण कार्य का शुभारंभ कर स्वयं श्रमदान भी किया। जल संरक्षण और जल स्त्रोतों के संवर्धन को लेकर राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गंगा दशहरा के अवसर पर हुए इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवी तालाब में विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया तथा श्रमदान कर जल बचाने में जन-सहभागिता का संदेश भी दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा एक सामाजिक अभियान है। प्रदेशभर में जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से जल बचाने और पारंपरिक जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने में सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

केरल में आज मानसून देगा दस्तक, देश के कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ होगी झमाझम बारिश

नईदिल्ली(आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लेकर राजस्थान के जैसलमेर तक और नोएडा से लेकर यूपी के बांदा तक हर जगह भीषण गर्मी और लू का प्रकोप है। उत्तर भारत समेत

देश के कई राज्य में भीषण गर्मी की चपेट में हैं। ऐसे में सभी को मानसून का इंतजार है। मानसून के आने के बाद ही गर्मी से बड़ी राहत मिलने वाली है।मानसून को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। बस एक दिन और मानसून दस्तक दे देगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून इस बार केरल में करीब 26 मई (मंगलवार) तक पहुंच सकता है। इस बार ये मानसून सामान्य तारीख 1 जून से पहले ही आ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली- एनसीआर में ये मानसून जून के महीने में आएगा। इसकी तारीख 27 से 30 जून के बीच बताई जा रही है। यूपी में ये मानसून 15 से 25 जून के बीच आएगा। बिहार में ये मानसून 12 से 15 जून के बीच आने की संभावना है।

ट्विशा शर्मा केस

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-घटना दुर्भाग्यपूर्ण, निष्पक्ष जांच जरूरी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। ट्विशा शर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई की। इस दौरान मध्य प्रदेश सरकार ने मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ को जानकारी दी कि मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) को सौंप दी जाएगी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया और मामले से जुड़े दोनों पक्षों से अपील की कि वे मीडिया में किसी प्रकार के बयान देने से बचें। अदालत ने कहा कि मामले को लेकर अलग-अलग तरह के नैरेटिव बनाए जा रहे हैं, जिससे निष्पक्ष जांच प्रभावित हो सकती है। CJI सूर्यकांत ने कहा, पीड़ित परिवार या दूसरे परिवार के बयानों पर न जाएं। वरना, एक तबका यह कह रहा है कि न्यायपालिका निष्पक्ष सुनवाई की अनुमति नहीं दे रही

है। हमें अपनी राज्य एजेंसियों या CBI पर कोई संदेह नहीं है। ऐसा सिर्फ इसलिए है क्योंकि एक तरह का नैरेटिव गढ़ा जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि अदालत यह सुनिश्चित करेगी कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की निष्पक्ष और बिना किसी भेदभाव के जांच हो। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद मामले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ याचिका, पीठ बोली- इतनी भावुकता से न लें

नईदिल्ली(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के खिलाफ याचिका पर सोमवार को सुनवाई की और उस पर तत्काल हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। एक वकील ने कोर्ट में जनहित याचिका दायर करते हुए सीजेपी से जुड़े व्यक्तियों की गतिविधियों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की थी। इस दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वीएम पंचोली की पीठ ने कहा कि इसे इतना भावनात्मक रूप से नहीं लेना चाहिए।

2024 के जंतर-मंतर प्रदर्शन मामले में कांग्रेस नेता अलका लांबा दोषी करार, 5 जून को सजा पर सुनवाई

नई दिल्ल (आरएनएस)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 2024 में महिला आरक्षण के मामले पर निषेधाज्ञा का उल्लंघन कर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के मामले में कांग्रेस नेता अलका लांबा को दोषी करार दिया है. एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने अलका लांबा की सजा की अवधि के मामले पर 5 जून को सुनवाई करने का आदेश दिया. कोर्ट ने 4 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

इस मामले में कोर्ट ने 14 जनवरी को अलका लांबा के खिलाफ औपचारिक रुप से आरोप तय करने का आदेश दिया था. कोर्ट ने अलका लांबा को भारतीय न्याय संहिता की धारा 132, 221, 233ए और 285 के तहत आरोप तय किया था. बता दें कि 20 दिसंबर 2025 को कोर्ट ने संबंधित घटना का वीडियो देखा था जिसमें पाया गया कि वो बलपूर्वक लोकसेवक को उसके काम में बाधा पहुंचा रही थीं।

जम्मू-कश्मीर में गुलमर्ग गोंडोला सेवा में आई तकनीकी खराबी, कई फिट ऊंचाई पर फंसे रहे 300 पर्यटक

बारामूला,(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में सोमवार को गोंडोला सेवा (केबल कार सेवा) में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद करीब 300 पर्यटक बीच हवा में फंस गए। घटना के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस, नागरिक प्रशासन के कर्मचारी और सेना के जवानों ने अभियान चलाकर पर्यटकों को गोंडोला से नीचे उतारा। घटना का पता चलने पर तंगमर्ग के उप-मंडल मजिस्ट्रेट और तहसीलदार भी ऑपरेशन की निगरानी के लिए घटनास्थल पर पहुंचे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पर्यटकों से भरी कई कैबिन इधर से उधर लोगों को ले जा रही थी, तभी कुछ तकनीकी समस्या आई और सभी कैबिन हवा में लटकने लगे। इससे अफरा-तफरी मच गई और कैबिन में बैठे पर्यटक शोर मचाने लगे। तुरंत राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की बचाव टीमों को मौके पर भेजा गया, जिन्होंने जमीन से काफी ऊपर हवा में लटके कई पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया। घटना के कारणों का पता नहीं चला है, लेकिन शुरूआती जांच में ओवरलोडिंग को कारण बताया जा रहा है। फिलहाल, सभी राज्य एजेंसियां घटना की जांच कर रही हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार स्थिति पर करीब से नजर रख रही है, स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और घबराने की कोई बात नहीं है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी कहा कि वह बचाव अभियान की निगरानी कर रहे हैं।

लोहे की नहीं कागज की, झांसी में जली बस के यात्री ने सुनाई आपबीती

झांसी, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में एक लग्जरी बस में अचानक आग का गोला बन गई। हादसा सीपरी बाजार इलाके में हुआ। गनीमत रही कि बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं, लेकिन उनका सामान बस के साथ जलकर खाक हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल था। यात्रियों ने हादसे के बारे में रोंगटे खड़े कर देने वाली आपबीती सुनाई। जानकारी के मुताबिक, बस रविवार की रात लखनऊ से चलकर एक बस मध्य प्रदेश के रतलाम जा रही थी। बस में 25 से 30 यात्री थे। सोमवार रात करीब सवा एक बजे बस झांसी पहुंची। यहां, इलाइट चौराहे से दो और यात्रियों को बैठाने के बाद बस आगे रवाना हुई। ड्राइवर कमलेश कुमार के मुताबिक, बस जैसे ही फ्लाईओवर के पास पहुंची तभी ब्रेकर पर हल्का झटका लगने के बाद अचानक बस की लाइट बंद हो गई। शक होने पर कमलेश ने बस को रोककर जांच शुरू की। इसी दौरान इंजन के पास एक तार जलता दिखाई दिया। चालक ने खतरा भांपते हुए तुरंत शोर मचाया और सो रहे यात्रियों को जगाकर नीचे उतरने को कहा।

यात्री जैसे-तैसे बस से नीचे उतरे ही थे कि आग ने विकराल रूप ले लिया। कुछ ही मिनटों में पूरी बस धू-धू कर जलने लगी। अब, हादसे के बाद यात्रियों ने जो आपबीती सुनाई, उसे जानकर हर कोई हैरान रह गया।

राष्ट्रपति भवन में पद्म अवॉर्ड सेरेमनी, रोहित शर्मा पद्मश्री और धर्मेंद्र मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में 2026 के पहले पद्म अवॉर्ड्स दिए। दरअसल,

सरकार ने गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले यानी 25 जनवरी को 131 पद्म पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की थी। इस क्रम में पहले फेज में देश की 66 हस्तियों को सम्मानित किया गया। जबकि, शेष विजेताओं को दूसरे चरण में अवॉर्ड दिए जाएंगे। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोमवार के पहले फेज में 2 पद्म विभूषण, 6 पद्म भूषण और 58 पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए। जिन हस्तियों को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है, उनमें अभिनेता आर माधवन, क्रिकेटर रोहित शर्मा, महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और हॉकी प्लेयर सविता पूनिया के अलावा पैरा एथलीट प्रवीण कुमार शामिल हैं। खास बात यह है कि पद्म पुरस्कार विजेताओं में 19 महिलाएं भी शामिल हैं। इसके साथ ही 16 ऐसी हस्तियां हैं, जिन्हें मरणोपरांत पुरस्कार दिए गए हैं। दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र, केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वीएस अच्युतानंदन और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज केटी थॉमस समेत 5 हस्तियों को पद्म विभूषण पुरस्कार दिए गए हैं।

वैश्विक संकट के बीच फिर बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम, 10 दिनों में चौथी बढ़ोतरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। वैश्विक संकट के बीच देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में सोमवार को एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पेट्रोल की कीमतों में 2.61 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 2.71 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है जब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों, यात्रियों और परिवहन क्षेत्र पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। कीमतों में बढ़ोतरी से पहले दिल्ली में पेट्रोल 99.51 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.49 रुपए प्रति लीटर बिक रहा था। लेकिन अब, राजधानी में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर

और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। लगातार बढ़ रही ईंधन कीमतों का असर सीधे तौर पर आम आदमी की जेब पर पड़ने लगा है। कीमतों में बढ़ोतरी से टैक्सी, ऑटो और माल ढुलाई सेवाओं के किराए में भी इजाफे की आशंका जताई जा रही है। साथ ही, महंगाई पर भी इसका व्यापक असर पड़ सकता है।इससे पहले, 23 मई को कीमतों में बढ़ोतरी करते हुए सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल की कीमतें 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमतें 91 पैसे प्रति लीटर बढ़ाई थी। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में हो रही बढ़ोतरी के बीच पिछले 10 दिन में ईंधन की दरों में यह चौथी बढ़ोतरी है। 15 मई को ही सरकारी तेल कंपनियों ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण बढ़ी हुई ऊर्जा कीमतों का बोझ धीरे-धीरे ग्राहकों पर डालना शुरू किया था।कीमतों में इजाफा होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने फैसले का बचाव किया था।

पेट्रोल-डीजल के दाम फिर बढ़े: मप्र में कई शहरों में पेट्रोल 115 के पार

- भोपाल में अब पेट्रोल 114.65 और डीजल 99.74 रुपये प्रति लीटर

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश में पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। तेल कंपनियों ने सोमवार को फिर ईंधन के दाम बढ़ा दिए। पेट्रोल में 2.61 रुपये और डीजल में 2.71 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ ही प्रदेश के कई शहरों में पेट्रोल 115 रुपये के करीब पहुंच गया, जबकि डीजल 100 रुपये के पार निकल गया है। भोपाल में अब पेट्रोल 114.65 रुपये और डीजल 99.74 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

प्रदेश के बड़े शहरों में उज्जैन सबसे महंगा हो गया है, जहां पेट्रोल 115.03 रुपए और डीजल 100.11 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया। इंदौर में पेट्रोल 114.54 रुपए और डीजल 99.57 रुपए हो गया है। जबलपुर और ग्वालियर में भी तेल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मई महीने में यह चौथी बार है जब तेल कंपनियों ने कीमतें बढ़ाई हैं। 15 मई से शुरू हुई बढ़ोतरी के बाद अब तक पेट्रोल-डीजल करीब 8 रुपए प्रति लीटर तक महंगे हो चुके हैं।

प्रदेश में सबसे महंगा पेट्रोल

एक ओर पेट्रोलियम कंपनियां दाम बढ़ा रही है, वहीं राज्य सरकार अपने हिस्से का टैक्स कम नहीं कर रही है, जिस कारण दूसरे राज्यों की अपेक्षा मध्यप्रदेश में पेट्रोल-डीजल के सबसे ज्यादा भाव है। अकेले पेट्रोल पर ही 29

प्रतिशत वेट टैक्स है तो सरकार इसके अतिरिक्त ढाई रुपए प्रति लीटर सरकार अलग से लेती है और फिर पूरे दाम पर 1 प्रतिशत सेस लगता है, वहीं डीजल पर 19 प्रतिशत वेट टैक्स लेती है, जो दूसरे राज्यों की तुलना में अधिक है। आशंका है कि अब घरेलू एलपीजी के दामों में बढ़ोतरी की जा सकती है, वहीं सीएनजी पर अभी सरकार ने कोई निर्णय नहीं लिया है। सीएनजी अभी भी 95 रुपए प्रतिकिलो के भाव से मिल रही है, इसके दाम भी बढने की संभावना है।

बढ़ेगा मालभाड़ा, महंगी होंगी रोजमर्रा की चीजें

डीजल महंगा होने का सीधा असर परिवहन पर पड़ेगा। ट्रक और मालवाहक वाहनों का किराया बढने से सब्जियां, फल, राशन और दूसरे जरूरी सामान महंगे हो सकते हैं। स्कूल बस, ऑटो और सार्वजनिक परिवहन का किराया भी बढने के संकेत हैं। खेती-किसानी पर भी असर पड़ेगा। ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने का खर्च बढने से किसानों की लागत बढ़ेगी, जिसका असर अनाज और खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर पड़ सकता है।

कच्चे तेल की कीमतें बनी वजह

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी को इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह बताया जा रहा है। ईरान-अमेरिका तनाव के बाद क्रूड ऑयल 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। तेल कंपनियों का कहना है कि बढ़ती लागत के कारण दाम बढ़ाना जरूरी हो गया था।

कमलनाथ ने सरकार पर साधा निशाना

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर सरकार को घेरते हुए कहा कि सरकार महंगाई रोकने के बजाय पूरा बोझ जनता पर डाल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कच्चे तेल के दाम कम थे तब जनता को राहत नहीं दी गई और अब लगातार कीमतें बढ़ाई जा रही हैं।

वक्फ संपत्तियों से अतिक्रमण हटाने का कार्य ऐतिहासिक : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड, देश का श्रेष्ठ वक्फ बोर्ड

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड विभिन्न नवाचारों से देश में सबसे आगे है। प्रदेश में वक्फ बोर्ड के माध्यम से वक्फ संपत्तियां ऑनलाइन की गई, इसके लिए भारत सरकार से स्कॉच अवार्ड मिला। यह पारदर्शी व्यवस्था पूरे देश के लिए उदाहरण बनी है। म.प्र वक्फ बोर्ड देश का श्रेष्ठ वक्फ बोर्ड है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को रवीन्द्र भवन भोपाल में मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड के स्कॉलरशिप वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

रहीम और रसखान ने दिया समरसता का संदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा देश रहीम और रसखान की मेलजोल की संस्कृति में विश्वास रखता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की जनता कानून में भरोसा रखती है, चाहे किसी भी समुदाय की हो। इसलिए भारत पूरे विश्व में आदर्श है।

रीवा आर्यिका संघ सड़क दुर्घटना के विरोध में सकल जैन समाज ने निकाला मौन जुलूस,भवानी चौक सोमवारा पर की सभा

भोपाल(निप्र.)। रीवा मे आर्यिका संघ के साथ हुई सड़क दुर्घटना को लेकर सकल जैन समाज में गहरा रोष व्याप्त है। आज प्रदेश सहित देश में जैन समाज आंदोलनरत रही। इसके विरोध में भोपाल में सकल जैन समाज द्वारा विरोध स्वरूप काली पट्टी बांधकर मौन जुलूस निकाला गया। चौक धर्मशाला में मुनि संभव सागर महाराज ने आशीष वचन में कहा संत केवल समाज के नहीं अपितु भारत की अमूल्य संपदा हैं। देश में संत सुरक्षा प्रोटोकॉल तुरंत लागू होना चाहिए। तत्पश्चात मौन जुलूस चौक मंदिर से सुभाष चौक, सराफा, लखेरापूरा होते हुए भवानी चौक सोमवारा पहुंचा। यहां प्रशासन के कहने पर समाज जन सोमवारा पर रुक गए, और विरोध सभा में समाज के लोगो ने कहा - आर्यिका उपशम मति माताजी आर्यिका श्रुत मति माताजी की रीवा में हुई सड़क दुर्घटना गहरी साजिश है, ये दुर्घटना नहीं हत्या है। देश के विभिन्न शहरों में आए दिन हो रही सड़क दुर्घटना में पैदल पद विहार कर रहे संतों को नुकसान हो रहा है। विरोध सभा में महिलाएं हाथों में तख्तियां लिए थी, जिस पर लिखा था, तपस्वियों की रक्षा मानवता संयम और भारतीय संस्कृति की रक्षा है। निहत्थे संतो पर प्रहार मानवता पर प्रहार है।

पेयजल शिकायतों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें, लापरवाही पर होगी कार्रवाई - कलेक्टर श्री मिश्रा

भोपाल (आरएनएस)। गर्मी के मौसम में नागरिकों को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेयजल संबंधी शिकायतों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा खराब हैंडपंपों एवं जल स्रोतों के सुधार कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो। उन्होंने कहा कि आमजन को मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने पेयजल व्यवस्था, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, पीएम जनमन एवं धरती आबा अभियान, आधार सत्यापन, जल गंगा संवर्धन अभियान तथा अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जिला स्तर पर सूखा राहत नियंत्रण कक्ष संचालित किया जा रहा है। नागरिक पेयजल संबंधी समस्याएं दूरभाष क्रमांक 0755-2924467 पर दर्ज करा सकते हैं। यह नियंत्रण कक्ष प्रतिदिन प्रात: 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक दो पालियों में कार्यरत है।कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी एसडीएम को विस्फोटक एवं पटाखा प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण कर मासिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने तथा अनधिकृत गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

डिजिटल दीदी पूनम खेल-खेल में संवार रही नौनिहालों का भविष्य

भोपाल(आरएनएस)। डिजिटल प्लेटफॉर्म का सही इस्तेमाल अगर समाज को बदलने के लिए किया जाए, तो परिणाम कितने सुखद हो सकते हैं, इसकी मिसाल पेश की है मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले की एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने। परासिया परियोजना के वार्ड क्रमांक 12 की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पूनम चौरसिया आज सोशल मीडिया पर एक चर्चित नाम बन चुकी हैं। पूनम अपनी आंगनवाड़ी के बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाने और उनके संपूर्ण विकास के लिए अनूठे प्रयोग कर रही हैं।पूनम चौरसिया के यूट्यूब चैनल '@parasiawalipoonam' की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस चैनल पर 71 हजार 600 से अधिक सब्सक्राइबर्स जुड़ चुके हैं। खेल-खेल में प्रारंभिक बाल्याव्यस्था, देखभाल और शिक्षा गतिविधियों को सिखाते हुए पूनम अब तक 6 हजार 800 से ज्यादा वीडियो अपलोड कर चुकी हैं, जिन्हें 7 करोड़ 48 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। यूट्यूब ही नहीं, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर भी उनकी वीडियो खूब पसंद किए जा रहे हैं।

स्थानीय संसाधनों से शिक्षा को बनाया मजेदार

एम.कॉम (M.Com) शिक्षित पूनम साल 2020 से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में सेवाएं दे रही हैं। वे भारत सरकार के 48 सप्ताह के आधारशिला पाठ्यक्रम को रटाने के बजाय बेहद मनोरंजक तरीके से बच्चों को सिखाती हैं। पूनम बच्चों के लिये पाठ्यक्रम को इतना आसान और मजेदार बना देती हैं कि बच्चे खुद व खुद पढ़ाई की ओर खिचें चले आते है। खास बात यह है कि इन गतिविधियों के लिए वे किसी महंगे सामान का

इस्तेमाल नहीं करतीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों जैसे कंकड़, पत्थर, रंग-बिरंगे कागज और घरेलू वस्तुओं के जरिए बच्चों को अक्षर ज्ञान, रंगों की पहचान, शेप और शैडो (आकृतियां और परछाईं) जैसी पेचीदा चीजें सहजता से सिखा देती हैं।

पढ़ाई भी और पोषण भी: आंगनवाड़ी बनी 'स्मार्ट क्लास'

मध्यप्रदेश के 98 हजार से अधिक आंगनवाड़ी केंद्रों में 30 लाख से अधिक बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य और शाला पूर्व शिक्षा दी जा रही है। आंगनवाड़ी देश का एकमात्र ऐसा संस्थान है जहां पोषण के साथ पढ़ाई भी होती है।

पूनम ने इस अवधारणा को पूरी तरह धरातल पर उतारा है। उन्होंने भारत सरकार के पोषण भी-पढ़ाई भी (PBPB) अभियान के तहत प्रथम चरण का प्रशिक्षण लिया और उत्कृष्ट कार्य के चलते दूसरे चरण में वे स्टार चैंपियन कार्यकर्ता के रूप में चुनी गईं। इसके बाद उन्होंने निपसिड (NIPCCD) से मास्टर ट्रेनर के रूप में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्तमान में उनके केंद्र में 3 से 6 आयु वर्ग के 43 बच्चे दर्ज हैं, जिनमें से 22 बच्चे नियमित रूप से शाला पूर्व शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

अभिभावकों में बढ़ा भरोसा, निजी स्कूलों को मिल रही टक्कर

पूनम के इस अभिनव प्रयास का सबसे बड़ा असर स्थानीय समाज पर पड़ा है। क्षेत्र के अभिभावक निजी स्कूलों को छोड़कर अपने बच्चों को पूनम की आंगनवाड़ी केंद्र में भेज रहे हैं। माता-पिता स्वयं बच्चों को केंद्र पर छोड़ने और लेने आते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूनम ने आंगनवाड़ी के पारंपरिक ढर्रे को बदलकर उसे एक आधुनिक शिक्षा केंद्र का रूप दे दिया है। स्थिति यह है कि जब यहां के बच्चे आगे चलकर प्राथमिक स्कूलों में प्रवेश लेते हैं, तो अभिभावक गर्व से कहते हैं कि ये पूनम की आंगनवाड़ी से पढ़कर आए हैं।

अन्य कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत

पूनम चौरसिया की यह अनूठी पहल अन्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिये प्रेरणा है। डिजिटल माध्यमों का सही उपयोग कर सरल गतिविधियों और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों से बच्चों को शिक्षा के प्रति आकर्षित किया जा सकता है।

आस्था, संस्कृति और विकास का संगम बनेगा श्री खेड़ापति हनुमान लोक कॉरिडोर : मंत्री श्री सारंग

लगभग 100 करोड़ की लागत से तेजी से आकार ले रहा श्री खेड़ापति हनुमान लोक कॉरिडोर

भोपाल(ए.)। राजधानी भोपाल के प्राचीनतम और श्रद्धा के प्रमुख केंद्र श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर परिसर में निर्माणाधीन श्री खेड़ापति हनुमान लोक कॉरिडोर के निर्माणाधीन कार्यों का सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि कॉरिडोर का निर्माण चरणबद्ध तरीके से तय समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए, जिससे श्रद्धालुओं को शीघ्र बेहतर एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

आस्था और विरासत को मिलेगा भव्य स्वरूप

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि छोला स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर भोपाल की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र है। सदियों से यह मंदिर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहा है। इसी विरासत को संरक्षित करते हुए विरासत भी और विकास भी की भावना के साथ श्री खेड़ापति हनुमान लोक कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना भोपाल की सांस्कृतिक धरोहर को भव्य स्वरूप प्रदान करेगी और आने वाले समय में धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगी।

निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री सारंग ने लोक निर्माण विभाग एवं नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में श्रद्धालुओं, स्थानीय रहवासियों एवं व्यापारियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यों के क्रियान्वयन में न्यूनतम विस्थापन सुनिश्चित किया जाए तथा यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि लगभग 100 करोड़ रुपए की लागत से विकसित हो रहे श्री खेड़ापति हनुमान लोक कॉरिडोर को महाकाल लोक की तर्ज पर आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है। करीब 21 एकड़ क्षेत्र में विकसित होने वाली इस परियोजना में मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण के साथ श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन व्यवस्था, भव्य कॉरिडोर, दर्शक दीर्घा, सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए अधोसंरचना, पार्किंग और अन्य आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि मंदिर परिसर के विकास कार्यों में राजस्थान के व्हाइट मार्बल का उपयोग करते हुए प्राचीन नागर शैली की वास्तुकला को विशेष रूप से शामिल किया जा रहा है। मंदिर परिसर में सुंदरकांड की झलक दर्शाने वाला भव्य और गरिमामयी कॉरिडोर तैयार किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त होगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि दशहरा मैदान के खुले स्वरूप को संरक्षित रखते हुए वहां दर्शक दीर्घा, विशाल मंच, रावण दहन स्थल एवं सार्वजनिक आयोजनों के लिए आवश्यक अधोसंरचना विकसित की जा रही है। साथ ही परिसर के चारों ओर 15 मीटर चौड़ी कांक्रीट सड़क का निर्माण भी किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं और आम नागरिकों के आवागमन में सुविधा होगी।

जनगणना 2027 : मध्यप्रदेश में 2 करोड़ 39 लाख से अधिक मकानों की गणना पूर्ण, फील्ड कार्य अंतिम चरण में

भोपाल(ए.)। मध्यप्रदेश में जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य तेज गति से अंतिम चरण की ओर अग्रसर है। प्रदेश में 01 मई से प्रारंभ हुआ यह फील्ड कार्य 30 मई 2026 तक संचालित किया जा रहा है। राज्य के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक मकान, परिवार एवं अन्य संरचनाओं से संबंधित जानकारी डिजिटल माध्यम से संकलित की जा रही है।सचिव गृह एवं नोडल अधिकारी जनगणना कार्य श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में जनगणना कार्य निर्धारित समय-सीमा के अनुसार निरंतर प्रगति पर है। राज्य में 1 लाख 37 हजार से अधिक मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं। दिनांक 25 मई 2026 तक प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 लाख 34 हजार 309 मकान सूचीकरण ब्लॉक में कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा 2 करोड़ 39 लाख 9 हजार 808 मकानों की गणना की जा चुकी है। शेष कार्य भी निर्धारित समयावधि में पूर्ण किए जाने के लिये सतत प्रयास किए जा रहे हैं तथा 30 मई 2026 तक पूरे प्रदेश में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।इसके पूर्व 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक प्रदेश में स्व-गणना प्रक्रिया संचालित की गई थी, जिसमें 7 लाख 46 हजार 158 परिवारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज की। नागरिकों की इस सक्रिय भागीदारी से जनगणना अभियान को गति एवं व्यापक सहयोग प्राप्त हुआ।

छह वर्ष बाद मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग में जनसुनवाई शुरू

पहले दिन घरेलू हिंसा और पारिवारिक विवाद के 40 मामलों की हुई त्वरित सुनवाई

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग में लगभग छह वर्षों के लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए जनसुनवाई का दौर शुरू हो गया है। सोमवार को आयोग की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती रेखा यादव एवं सदस्य श्रीमती साधना स्थापक की संयुक्त बेंच ने घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद और उत्पीड़न से जुड़े गंभीर मामलों पर संज्ञान लिया।महिला आयोग कार्यालय में आयोजित इस सत्र के पहले दिन भोपाल जिले के लगभग 40 प्रकरण बेंच के समक्ष प्रस्तुत किए गए। इस दौरान आयोग की अध्यक्ष और सदस्यों ने एक-एक कर आवेदिकाओं की शिकायतें सुनीं और संबंधित पक्षों के विस्तृत कथन दर्ज किए। मामलों की गंभीरता को देखते हुए आयोग ने स्पष्ट किया कि महिलाओं के अधिकारों का हनन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पीड़ितों को

समय पर न्याय दिलाना आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।जनसुनवाई के दौरान कई बेहद पेचीदा और गंभीर पारिवारिक विवाद के मामले सामने आए। एक प्रकरण में आवेदिका ने शिकायत दर्ज कराई कि विवाह के बाद से ही उसे अपनी बेटी से मिलने नहीं दिया जा रहा है। ससुराल पक्ष द्वारा बेटी पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है, वहीं दामाद, जो पेशे से अधिवक्ता हैं, कथित रूप से बेटी के माध्यम से उसके मायके पक्ष के विरुद्ध झूठी शिकायतें दर्ज कराने का प्रयास कर रहे हैं। इसी मामले में आवेदिका की बहू पर भी ससुराल पक्ष के खिलाफ घरेलू हिंसा की झूठी शिकायत दर्ज कराने का दबाव बनाने और इसके बदले में एक करोड़ रुपये के लेन-देन की बात भी सामने आई। पीठ ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद स्थानीय प्रशासन के सहयोग से त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए। इसी तरह घरेलू हिंसा से जुड़े एक अन्य मामले में सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि विपक्षी दल द्वारा आवेदिका को पूर्व में ही समझौता राशि प्रदान की जा चुकी है और बच्ची के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए उसके नाम पर एक प्लॉट की रजिस्ट्री भी की गई है। इसके बावजूद आवेदिका द्वारा भरण-पोषण के लिए अतिरिक्त आर्थिक सहायता की मांग की जा रही थी। इस मामले में भी संयुक्त बेंच ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। आयोग के नए गठन के बाद छह साल बाद आयोजित हुई इस पहली संयुक्त बेंच को लेकर पीड़ित महिलाओं में न्याय की उम्मीद जगी है।

हमलावर टाइगर की ट्रेंकुलाइज करते समय ओवरडोज दवा देने से मौत..

भोपाल (ए.)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में एक महिला पर हमला कर मार डालने और चार अन्य ग्रामीणों को घायल करने वाले टाइगर की भी संदिग्ध मौत हो गई है। सूत्रों का कहना है कि टाइगर की मौत Medito-midine + Ketamine नामक मेडिसिन के ओवर डोज से हुई है। जानकारों का कहना है कि ट्रेंकुलाइज करने के बाद एंटी डोज़ देने में देरी हुई। कहते है कि ट्रेंकुलाइज करने के बाद 15 मिनट के भीतर एंटी डोज़ था। इस बीच गुस्साए ग्रामीणों ने रेस्क्यू टीम पर हमला कर दिया, जिसके कारण वन विभाग वहां से भाग खड़ी हुई। जब पुलिस की मदद से रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंची तब तक बहुत देर हो चुकी थी। टाइगर को मौत हो गई। यानि डॉक्टर की लापरवाही पर सवाल खड़े होने लगे हैं। आमतौर पर ट्रैंकलाइज करते समय टाइगर के पिछले हिस्से को निशाना बनाया जाता है। भीषण गर्मी और गर्दन को निशाना बनाना भी सवालों के घेरे में है। पूर्व फील्ड डायरेक्टर से हुई बातचीत और जानकारी के अनुसार ट्रेंकुलाइज (बेहोश) करने के बाद टाइगर की मौत आम तौर पर दवा की गलत खुराक (ओवरडोज), बेहोशी के दौरान सांस नली में रुकावट, अत्यधिक तनाव, या पहले से मौजूद किसी गंभीर बीमारी के कारण सदमा लगने (शॉक) से होती है। ट्रेंकुलाइजेशन एक बहुत ही संवेदनशील प्रक्रिया है।

बाघों के ट्रेंकुलाइजेशन के दौरान मृत्यु होने के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं: दवा की गलत खुराक (Over-dose): यदि बाघ के वजन का सही अनुमान लगाए बिना बेहोशी की दवा (जैसे ज़ाइलाजिन या केटामाइन) की मात्रा ज़्यादा दे दी जाती है, तो उसकी सांसें या दिल रुक सकता है।

रीवा में साध्वियों की मौत से जैन समाज में रोष

- निकाला मौन जूलूस, संतों की सुरक्षा का कानून बनाने की रखी मांग

जबलपुर (ए.)। प्रदेश के रीवा में 20 मई को पैदल विहार कर रहीं तीन जैन साध्वियों को एक अनियंत्रित कार ने कुचल दिया था। इस हादसे में आर्यिका श्रुतमति माताजी और सुमति माताजी (या उपक्षमती माताजी) का दुखद देवलोकगमन हो गया,जबकि एक अन्य साध्वी गंभीर रूप से घायल हैं। इस घटना के विरोध में जबलपुर में सोमवार 25 मई को बड़ी संख्या में जैन समाज के लोगों ने मौन जुलूस निकाला।

प्रातः लगभग साढ़े 8 बजे शहर के कमानिया गेट पर राष्ट्रीय संत सुरक्षा अभियान के बैनर तले बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे जमा हुए और परि अनुशासन के साथ मौन जुलूस घंटाघर तक निकाला गया । घंटाघर में तहसीलदार को पीएम के नाम सामूहिक ज्ञापन सौंपकर घटित

दुर्घटना के आरोपी वाहन चालक पर कड़ी कार्रवाई करने , संत सुरक्षा कानून बनाने के अलावा बीते दिनों ग्राम देवरान में 11 जैन प्रतिमाओं की चोरी का खुलासा जल्द से जल्द किए जाने की मांग रखी गई।

जैन धर्मालंबियों का कहना है कि 20 मई को रीवा की घटना मानवता पर कलंक है। दो निरीह साध्वियों का कुचलना केवल दुर्घटना नहीं, यह हिंसा हो सकती है। यदि आज संत असुरक्षित हैं, तो कल हमारा धर्म असुरक्षित होगा। एक स्वर में संत सुरक्षा कानून बनाया जाए। समाजजनों ने अपनी बात रखते हुए कहा कि जैन साधु-संत अहिंसक, निहत्थे और तपस्वी होते हैं। वे पैदल विहार कर संयम, शांति और अहिंसा का संदेश देते हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त है कि ऐसे संतों के साथ बढ़ती दुर्घटनाएं और हमले समाज के लिए गंभीर विषय हैं। समाज ने मांग की है कि साधु-संतों के विहार के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

गौरतलब हो कि 20 मई को साध्वियों को टक्कर मारने के बाद कार चालक रीवा से फरार हो गया, जिसे कि करीब 270 किलोमीटर दूर बरगी पुलिस ने बहोरीपार टोल नाका के पास से गिरफ्तार किया और फिर उसे रीवा पुलिस के हवाले किया। कार चालक का नाम रशीद अली शाह है, जो कि महाराष्ट्र नागपुर का रहने वाला है।

किसानों ने भरी हक की हुंकार, मांगों को लेकर सड़क पर उतरे अन्नदाता

अनूपपुर,(ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में गेहूं उपार्जन में हो रही देरी और बिजली समस्या को लेकर किसानों का आक्रोश फूटा और सड़को पर उतर गये। किसानों ने सोमवार की दोपहर नौतपा के पहले दिन 42 डिग्री तापमान पर अपने हक के लिए लगभग 1 किलोमीटर से अधिक ट्रैक्टर रैली एवं पदयात्रा कर विशाल रैली एवं धरना प्रदर्शन किया।सरकार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बड़ी संख्या में किसान हाथों में तिरंगा और बैनर लेकर सड़कों पर उतरे तथा प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ट्रैक्टरों में गेहूं भरकर पहुंचे किसानों ने सड़क पर धरना देते हुए प्रदेश सरकार, प्रशासन और विभागीय अधिकारियों के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया।

खंडवा पुलिस की सतर्कता और साहस से युवक की बची जान

ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी में डूब रहे युवक को आरक्षक रवि सोलंकी ने सुरक्षित बचाकर पेश की मिसाल

खांडवा (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस के जवान ने तत्परता, साहस और मानवता का परिचय देते हुए खंडवा जिले के थाना मान्धाता क्षेत्र स्थित पवित्र तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी में डूब रहे युवक की जान बचाकर सराहनीय कार्य किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र निवासी अभिषेक पिता अशोक नांदेड़ उम्र 29 वर्ष अपने तीन दोस्तों के साथ ओंकारेश्वर दर्शन के लिए आया हुआ था। दर्शन से पूर्व सभी मित्र सुबह नर्मदा नदी में स्नान करने पहुंचे। स्नान के दौरान सभी युवक अनजाने में गहरे पानी की ओर चले गए। इस दौरान दो युवक तो किसी तरह सुरक्षित बाहर निकल आए, किन्तु अभिषेक गहरे पानी में फंस गया और डूबने लगा।अपने साथी को डूबता देख उसके दोस्तों ने सहायता के लिए जोर-जोर से पुकार लगाई। घाट पर ड्यूटी में तैनात थाना मान्धाता के आरक्षक रवि सोलंकी ने जैसे ही मदद की आवाज सुनी, उन्होंने बिना समय गंवाए तत्काल नर्मदा नदी के गहरे पानी में छलांग लगा दी। कठिन परिस्थितियों और जोखिम के बावजूद आरक्षक रवि सोलंकी ने साहस एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए युवक अभिषेक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना के बाद युवक एवं उसके दोस्तों द्वारा मध्यप्रदेश पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया गया।मध्यप्रदेश पुलिस निरंतर कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ नागरिकों की सुरक्षा एवं जीवन रक्षा के लिए भी पूर्ण संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

आगामी पर्वों को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

जबलपुर (ए.)। आगामी त्योहारों और महत्वपूर्ण दिवसों को शहर में शांति, आपसी सौहार्द और गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से आज पुलिस कंट्रोल रूम में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री संपत उपाध्याय की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में आगामी 28 मई को मनाए जाने वाले ईद-उल-अजहा पर्व के साथ-साथ 9 जून को भगवान बिरसा मुंडा और 24 जून को वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस को शांतिपूर्ण व गरिमापूर्ण ढंग से मनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था, सुरक्षा, स्वच्छता, सुचारू पेयजल और निर्बाध बिजली आपूर्ति जैसी सभी आवश्यक बुनियादी व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन पूरी तरह सजग और मुस्तैद है। बैठक के दौरान मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जबलपुर में छोटे-बड़े सभी त्योहारों को गंभीरता से लेते हुए नियमित रूप से शांति समिति की बैठकें आयोजित की जाती हैं, जिससे शहर में हमेशा सांप्रदायिक सौहार्द और अमन-चैन का माहौल बना रहता है।

रीवा हादसे के विरोध में करेली में निकला विशाल मौन जुलूस, संत सुरक्षा कानून की उठी मांग

करेली, (ए.)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में सड़क हादसे में दो जैन आर्यिकाओं के निधन से जैन समाज में गहरा शोक और आक्रोश व्याप्त है। इसी के विरोध में सोमवार को नरसिंहपुर जिले के करेली में सकल जैन समाज द्वारा विशाल मौन जुलूस निकालकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग उठाई गई।समाजजनों ने 20 मई को रीवा में हुई घटना को अत्यंत पीड़ादायक और निंदनीय बताते हुए इसे साधु-संतों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय बताया। साथ ही देशभर में विहार करने वाले संतों और साध्वियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष "संत सुरक्षा कानून" लागू करने की मांग भी जोरदार तरीके से उठाई गई।मौन जुलूस दिगंबर जैन बड़ा मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से निकला और पुनः मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं शामिल हुए। पुरुष सफेद वस्त्रों में जबकि महिलाएं पीले और केसरिया परिधानों में अनुशासन और श्रद्धा के साथ शामिल रहीं। श्रद्धालु हाथों में पूज्य आचार्य विद्यासागर महाराज एवं वर्तमान आचार्य समय सागर महाराज के चित्र लेकर मौन धारण किए हुए चल रहे थे। पूरे नगर में शोक और श्रद्धा का माहौल दिखाई दिया। समाजजनों ने कहा कि अहिंसा, संयम और तपस्या का जीवन जीने वाले साधु-संतों पर इस तरह की घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। समाज की नगर गौरव ब्रह्मचारिणी नूरी दीदी ने कहा कि जैन समाज इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं बल्कि गंभीर कृत्य के रूप में देख रहा है। उन्होंने कहा कि दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाना चाहिए और उन पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह की अगुवाई में संग्राम सागर तालाब में हुआ स्वच्छता श्रमदान

गंगा दशहरा के इस अवसर पर सैकड़ों नागरिकों ने किया स्वच्छता श्रमदान इंदौर की '56 दुकान' की तर्ज पर विकसित होगा नया फूड जोन

जबलपुर (ए.)। राज्य शासन के निर्देशानुसार संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आज गंगा दशहरा के पावन अवसर पर संस्कारधानी के ऐतिहासिक एवं आस्था के केंद्र संग्राम सागर तालाब में एक भव्य स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह की अगुवाई में आयोजित इस अभियान में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ श्रमदान किया। इस वृहद जन-भागीदारी ने जल संचय और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को एक नई दिशा दी। अभियान के दौरान पूरे तालाब परिसर की साफ-सफाई कर न केवल इसे सुंदर रूप दिया गया, बल्कि समाज को जल स्रोतों के संरक्षण का एक सशक्त संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने नागरिकों के इस अभूतपूर्व उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज जबलपुर के सजग नागरिकों ने यह साबित कर दिया है कि यदि समाज किसी कार्य का संकल्प ले ले, तो कुछ भी असंभव नहीं है। अपनी प्रकृति और गौरवशाली विरासत के संरक्षण के लिए किया गया यह श्रमदान परम आत्मसंतुष्टि देने वाला कार्य है। प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी के "विरासत भी और विकास भी" के मूल मंत्र का उल्लेख करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि संग्राम सागर क्षेत्र को आधुनिक विकास से जोड़कर एक बेहद खूबसूरत पर्यटन एवं सांस्कृतिक स्थल के रूप में उभारा जाएगा। संग्राम सागर के भविष्य की रूपरेखा साझा करते हुए मंत्री श्री सिंह ने बताया कि तालाब के सामने वाले क्षेत्र के कायाकल्प की पूरी योजना तैयार की जा चुकी है, जिस पर जिला प्रशासन और नगर निगम ने काम भी शुरू कर दिया है। उन्होंने एक बड़ी सौगात देते हुए कहा कि जिस प्रकार इंदौर का '56 दुकान' क्षेत्र पूरे देश में अपनी साख और स्वाद के लिए प्रसिद्ध है, ठीक उसी तर्ज पर यहाँ भी एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और आकर्षक फूड जोन विकसित किया जाएगा।

व्यापार समाचार

भोपाल से स्विट्जरलैंड भेजी फ्लेवर्ड आइस्ड टी की पहली खेप, पीयूष गोयल बोले- वैश्विक मानकों पर पहचान बना रहे एमएसएमई

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के एमएसएमई अब क्वालिटी और स्वाद के ग्लोबल स्टैंडर्ड पर अपनी एक मजबूत पहचान बना रहे हैं। इसका सबूत यह है कि फ्लेवर्ड आइस्ड टी प्रीमिक्स की पहली एक्सपोर्ट खेप भोपाल से स्विट्जरलैंड भेजी गई है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, भोपाल से स्विट्जरलैंड भेजी गई फ्लेवर्ड आइस्ड टी प्रीमिक्स की पहली निर्यात खेप, इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भारत के एमएसएमई अब वैश्विक गुणवत्ता और स्वाद के मानकों पर अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं।

उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के सहयोग से मध्यप्रदेश के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मिली यह नई उपलब्धि नवाचार, मूल्य संवर्धन और निर्यात आधारित विकास को नई दिशा देगी।

इससे पहले, मंत्री ने बताया था कि भारत के चाय एक्सपोर्ट में पिछले एक दशक में 93 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है, जो वित्त वर्ष 2013-14 में 4,509 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 8,719 करोड़ रुपए हो गया है।

अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस के मौके पर भारतीय चाय की बढ़ती ग्लोबल अपील के बाद पीयूष गोयल ने चाय को एक भावना बताया और कहा कि यह देश के रोजमर्रा के जीवन, संस्कृति और परंपराओं में गहराई से बुनी हुई है।

वैश्विक संकट के बीच फिर बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम, 10 दिनों में चौथी बढ़ोतरी

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। वैश्विक संकट के बीच देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में सोमवार को एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पेट्रोल की कीमतों में 2.61 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 2.71 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है जब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों, यात्रियों और परिवहन क्षेत्र पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। कीमतों में बढ़ोतरी से पहले दिल्ली में पेट्रोल 99.51 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.49 रुपए प्रति लीटर बिक रहा था। लेकिन अब, राजधानी में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है।

लगातार बढ़ रही ईंधन कीमतों का असर सीधे तौर पर आम आदमी की जेब पर पड़ने लगा है। कीमतों में बढ़ोतरी से टैक्सी, ऑटो और माल ढुलाई सेवाओं के किराए में भी इजाफे की आशंका जताई जा रही है। साथ ही, महंगाई पर भी इसका व्यापक असर पड़ सकता है।

इससे पहले, 23 मई को कीमतों में बढ़ोतरी करते हुए सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल की कीमतें 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमतें 91 पैसे प्रति लीटर बढ़ाई थी। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में हो रही बढ़ोतरी के बीच पिछले 10 दिन में ईंधन की दरों में यह चौथी बढ़ोतरी है। 15 मई को ही सरकारी तेल कंपनियों ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण बढ़ी हुई ऊर्जा कीमतों का बोझ धीरे-धीरे ग्राहकों पर डालना शुरू किया था।कीमतों में इजाफा होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने फैसले का बचाव किया था।

सोने में 600 ज्यादा की तेजी, चांदी के भाव 2.76 लाख के पार

- अंतरराष्ट्रीय बाजार से मिल रहे मजबूत संकेतों से वायदा बाजार में निवेशकों का उत्साह बढ़ा

नईदिल्ली (ए.)। सोने और चांदी के वायदा भाव में सोमवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। घरेलू वायदा बाजार (एमसीएक्स) और अंतरराष्ट्रीय बाजार (कॉमेक्स) दोनों में कीमती धातुओं की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार से मिल रहे मजबूत संकेतों के चलते भारतीय वायदा बाजार में निवेशकों का उत्साह बढ़ा, जिससे सोने का जून कॉन्ट्रैक्ट 600 रुपये से अधिक महंगा हुआ, जबकि चांदी के जुलाई कॉन्ट्रैक्ट ने 4,300 रुपये से ज्यादा की छलांग लगाई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के जून कॉन्ट्रैक्ट ने सोमवार को तेज शुरुआत की। यह 471 रुपये की उछाल के साथ 1,59,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,58,679 रुपये था। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 637 रुपये की तेजी के साथ 1,59,316 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान इसने 1,59,500 रुपये का उच्च स्तर और 1,59,150 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल सोने का सर्वोच्च स्तर 1,80,779 रुपये दर्ज किया गया था। चांदी ने भी मारी लंबी छलांग चांदी के वायदा भाव में भी सोमवार को जोरदार तेजी रही। एमसीएक्स पर चांदी का जुलाई कॉन्ट्रैक्ट 4,837 रुपये की बड़ी उछाल के साथ 2,76,683 रुपये प्रति किलो पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,71,846 रुपये था। समाचार लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 4,394 रुपये की तेजी के साथ 2,76,240 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इसने दिन के उच्चतम स्तर 2,76,888 रुपये और न्यूनतम स्तर 2,75,544 रुपये को छुआ। इस साल चांदी का सर्वोच्च स्तर 4,20,048 रुपये प्रति किलो रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना-चांदी तेज अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी का रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 38.60 डॉलर की तेजी के साथ 4,561.80 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि यह 4,532 डॉलर पर खुला था। इस साल इसका सर्वोच्च स्तर 5,586.20 डॉलर था। इसी तरह, चांदी का वायदा भाव 1.95 डॉलर की बढ़त के साथ 78.14 डॉलर प्रति औंस पर था, जो 76.75 डॉलर पर खुला था। इस साल चांदी का उच्चतम स्तर 121.79 डॉलर प्रति औंस रहा।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को 38 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.22 पर बंद हुआ। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की उम्मीदों के बीच रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 40 पैसे मजबूत होकर 95.20 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच लगभग तीन महीने से जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक शांति समझौते पर काफी हद तक सहमति बन चुकी है, जिससे रुपये में सकारात्मक रुख देखा गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.36 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 95.20 तक पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 40 पैसे की मजबूती दिखाता है। वहीं रुपया शुक्रवार को 75 पैसे की बढ़त के साथ 95.60 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 फीसदी की गिरावट के साथ 99.04 पर कारोबार कर रहा था, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का 5.43 फीसदी टूटकर 97.92 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1,134 , निफ्टी 330 अंक उछला

मुम्बई (ए.)। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन भारी तेजी के साथ बंद हुआ। ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। अमेरिका-ईरान के बीच समझौते की बढ़ती उम्मीदों से भी निवेशकों में उत्साह आया है। इसी कारण दिन भर के बाजारों के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,134 अंक बढ़कर 76,549.82 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 330 अंक की ऊपर आकर 24,049.55 के पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान हर क्षेत्र में तेजी रही। ऑयल एंड गैस, मीडिया, ऑटो, बैंकिंग, एनर्जी और रिएल्टी सेक्टर्स में 1-1 फीसदी से ज्यादा की मजबूती रही। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बढ़त रही। बड़े शेयरों के साथ-साथ छोटे और मध्यम शेयरों में भी आज काफी खरीदारी रहीं। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.8 फीसदी की बढ़त रही जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स भी 1 फीसदी उछला।

आज अदाणी समूह की अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में उछाल आया। एक रिपोर्ट के बाद कंपनी के शेयरों में निवेशकों ने जमकर खरीदारी की, जिससे यह स्टॉक 12 फीसदी से ज्यादा उछलकर 2,850.80 के साथ अपने 52 हफ्ते के नए उच्च स्तर पर पहुंच गये। बाजार में कुछ शेयरों में मुनाफावसूली दर्ज की गयी। इसमें मैक्स हेल्थकेयर , ओएनजीसी, हिंडाल्को, टीसीएस , बजाज ऑटो, डॉलर के मुकाबले रुपये में शानदार रिकवरी रही।इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत रही। सुबह के शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 835 अंकों की बढ़त के साथ 76,250 के स्तर पर खुला।

टोयोटा कर रही फारच्यूनर की नई जेनरेशन लाने की तैयारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। टोयोटा अपनी फारच्यूनर की नई जेनरेशन को लान्च करने की तैयारी कर रही है। इसे कब तक पेश किया जा सकता है। टोयोटा की ओर से नई जेनरेशन Toyota Fortuner को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। सबसे पहले इसकी नई जेनरेशन को ग्लोबल स्तर पर पेश किया जाएगा। निर्माता ने इसकी औपचारिक जानकारी नहीं दी है, लेकिन उम्मीद है कि इस एसयूवी में कॉस्मैटिक से लेकर मैकेनिकल बदलाव किए जा सकते हैं। जिसमें नए फीचर्स और नए इंजन के विकल्प भी शामिल हो सकते हैं।

ऐसे होंगे फीचर्स:

नई जेनरेशन टोयोटा की फॉर्च्यूनर में कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जा सकता है। इसमें नए डिजाइन के बंपर, ग्रिल, एलईडी हेडलाइट, एलईडी डीआरएल, टेल लाइट, नया इंटीरियर, बेहतर इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, बेहतर ऑडियो सिस्टम

के साथ ही कुछ नए फीचर्स भी मिल सकते हैं।

इतना दमदार इंजन:

निर्माता की ओर से इस एसयूवी को हाइब्रिड पेट्रोल इंजन के साथ भी ऑफर किया जा सकता है। जिससे इसकी माइलेज में सुधार हो सकता है। इसके साथ निर्माता की ओर से मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के विकल्प भी मिल सकते हैं। टोयोटा की ओर से फॉर्च्यूनर एसयूवी की नई जेनरेशन के लॉन्च को लेकर कोई भी औपचारिक जानकारी को नहीं दिया गया है। लेकिन उम्मीद है कि ग्लोबल बाजार में इस एसयूवी को इस वित्त वर्ष के आखिर तक लॉन्च किया जा सकता है।

क्या भारत आएगी:

टोयोटा के लिए भारत बड़ा और जरूरी बाजार है। निर्माता अपनी कई बेहतरीन कारों और एसयूवी को भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध करवाती है। टोयोटा की बिक्री में Frotuner का बड़ा हिस्सा शामिल है। ऐसे में उम्मीद है पहले इसे ग्लोबल बाजार में लॉन्च किया जाएगा। इसके कुछ समय बाद ही नई जेनरेशन को भारत में भी बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

टीएमसी की उम्मीद गलत साबित हुई

टीएमसी की ये उम्मीद गलत साबित हुई कि बांग्ला अस्मिता की प्रतिनिधि के रूप में खुद पेश कर वह 'हिंदुत्व- हिंदी' पहचान वाली भाजपा को जीतने से रोक देगी। असम में ऐसी सोच पहले ही गलत साबित हो चुकी है। पश्चिम बंगाल का सियासी किला फतह करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने 2026 का विधानसभा चुनाव युद्ध के अंदाज में लड़ा। अपने पास मौजूद तमाम गोले तो उसने वहां दागे ही, केंद्र में सत्ताधारी होने के नाते शासन तंत्र से हासिल होने वाली ताकत एवं प्रभाव का भी बेहिचक उपयोग किया। अपनी खास जूझारू भावना के लिए चर्चित ममता बनर्जी को चारों तरफ से घेर लेने की ये रणनीति कामयाब रही है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की विवादास्पद प्रक्रिया से तृणमूल कांग्रेस के लिए मुकाबले का धरातल असमान हो जाने के संकेत लगातार मिल रहे थे।निर्वाचन आयोग के अन्य कदमों ने टीएमसी की राह को और भी कठिन बनाया। अन्य संवैधानिक संस्थाओं ने भी चुनाव प्रक्रिया पर उठे प्रश्नों की फिक्र नहीं की। 15 साल लगातार सत्ता में रहने के बाद किसी नेता या पार्टी के लिए चुनावी मुकाबला वैसे भी आसान नहीं रह जाता। एंटी-इन्कबेंसी से उत्पन्न चुनौतियां उसके सामने खड़ी होती हैं। ये सारे पहलू मिलकर इस बार ममता बनर्जी पर भारी पड़े। टीएमसी की ये उम्मीद कमजोर जमीन पर खड़ी नजर आई कि बांग्ला अस्मिता की प्रतिनिधि के रूप में खुद पेश कर वह 'हिंदुत्व- हिंदी' पहचान वाली भाजपा को जीतने से रोक देगी। असम में ऐसी सोच एक दशक पहले ही गलत साबित हो चुकी थी। अब वहां भाजपा ने जीत की हैट-ट्रिक बनाई है। इस बार वह और बड़े बहुमत से सत्ता में लौट रही है।यह इस समझ की पुष्टि है कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा के नेतृत्व में उग्र हिंदुत्व और कैश ट्रांसफर के जरिए मतदाताओं को लुभाने की रणनीति वहां कामयाब बनी हुई है। इसके अलावा संभव है राज्य में हुए विवादास्पद परिसीमन का लाभ भी भाजपा को मिला हो। वैसे, इन बातों की आड़ लेकर कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों को जनता से दूर रहते हुए सियासत करने (टीएमसी अभी तक इसका अपवाद है) की अपनी कमजोरी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्हें देर-सबेर यह समझना होगा कि उनका मुकाबला बुल्डोजर जैसी एक चुनाव मशीनरी से है, जो जीत की राह में किसी नैतिक बाधा से बंधी हुई नहीं है।

तकनीकी क्रांति और लोकतांत्रिक चुनौती के बीच जनगणना

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत वर्ष 2027 में अपनी पहली पूर्णत: डिजिटल जनगणना कराने जा रहा है। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि भारत की शासन व्यवस्था, विकास नीति और लोकतांत्रिक ढांचे में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का संकेत है। जिस प्रकार स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना ने नवगठित राष्ट्र को अपनी जनसंख्या, संसाधनों और सामाजिक संरचना को समझने का आधार दिया था, उसी प्रकार 2027 की डिजिटल जनगणना भारत को डेटा-आधारित शासन के नए युग में प्रवेश कराने वाली है। यह पहल डिजिटल इंडिया अभियान की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक मानी जा रही है, जिसमें मोबाइल एप्लिकेशन, सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल, क्लाउड-आधारित रियल-टाइम डेटा अपलोड, जियो-टैगिंग और डिजिटल डैशबोर्ड जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।

भारत में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। उसके बाद कोविड-19 महामारी सहित कई कारणों से 2021 की जनगणना टलती चली गई। परिणामस्वरूप देश को लगभग 14 वर्षों तक पुराने आंकड़ों पर निर्भर रहना पड़ा। इस दौरान भारत में शहरीकरण, प्रवासन, रोजगार संरचना, डिजिटल उपयोग, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनसंख्या वितरण में भारी परिवर्तन हुए हैं। ऐसे में 2027 की जनगणना केवल एक सांख्यिकीय अभ्यास नहीं होगी, बल्कि यह आधुनिक भारत की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करने का माध्यम बनेगी। विशेष बात यह है कि यह पहली बार होगा जब भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इतनी बड़ी जनगणना डिजिटल माध्यम से संचालित की जाएगी।

डिजिटल जनगणना का सबसे बड़ा लाभ इसकी गति और दक्षता में दिखाई देता है। पारंपरिक कागजी जनगणना में डेटा एकत्र करने, उसकी जांच करने, कोडिंग, प्रविष्टि और विश्लेषण में दो वर्ष या उससे अधिक समय लग जाता था। लेकिन डिजिटल प्रणाली में डेटा सीधे सर्वर पर अपलोड होगा, जहां स्वचालित सत्यापन और विश्लेषण की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे प्रारंभिक परिणाम दस दिनों के भीतर और अंतिम विस्तृत रिपोर्ट छह से नौ महीनों में उपलब्ध हो सकती है। यह बदलाव केवल समय बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि नीति निर्माण की गति और सटीकता को भी कई गुना बढ़ा सकता है। यदि सरकार के पास समय पर विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध होंगे, तो रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, आवास और शहरी नियोजन जैसी योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा।

डिजिटल प्रणाली में त्रुटियों को कम करने की भी व्यापक संभावना है। मोबाइल एप्लिकेशन में प्री-कोडेड विकल्प, ऑटो-फिल, रियल-टाइम वैलिडेशन और जियो-कोडिंग जैसी सुविधाएं होंगी, जिससे गलत प्रविष्टियों की संभावना कम होगी। प्रत्येक भवन को एक विशिष्ट भौगोलिक निर्देशांक से जोड़ा जाएगा, जिससे न केवल भवनों की सही गणना संभव होगी बल्कि विकास योजनाओं के लिए स्थान-आधारित विश्लेषण भी आसान होगा। उदाहरण के लिए, किसी क्षेत्र में स्कूलों, अस्पतालों या जलस्रोतों की उपलब्धता का विश्लेषण जनसंख्या घनत्व के साथ जोड़ा जा सकेगा। इससे सरकार को यह समझने में आसानी होगी कि किन क्षेत्रों में संसाधनों की कमी है और कहां निवेश की आवश्यकता अधिक है।

डिजिटल जनगणना का एक और महत्वपूर्ण पहलू पारदर्शिता है। नागरिक स्वयं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी भर सकेंगे और उसे सत्यापित कर सकेंगे। इससे सरकारी आंकड़ों के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ सकता है। डिजिटल डैशबोर्ड के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर प्रगति की निगरानी भी संभव होगी। यह प्रणाली प्रशासनिक जवाबदेही को मजबूत कर सकती है और डेटा संग्रह की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बना सकती है। यदि इसे सफलतापूर्वक लागू किया गया, तो भारत दुनिया के लिए डिजिटल प्रशासन का एक नया मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।

हालांकि, इन संभावनाओं के साथ गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ी चुनौती भारत का डिजिटल विभाजन है। आज भी देश के करोड़ों लोग इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों तक समान पहुंच नहीं रखते। ग्रामीण क्षेत्रों, पर्वतीय इलाकों, आदिवासी क्षेत्रों और उत्तर-पूर्व के कई हिस्सों में इंटरनेट कनेक्टिविटी कमजोर या अनुपलब्ध है। यदि जनगणना का अत्यधिक निर्भरता डिजिटल माध्यमों पर रही, तो समाज के सबसे गरीब और हाशिए पर रहने वाले वर्ग जनगणना से बाहर छूट सकते हैं। यह केवल तकनीकी समस्या नहीं होगी, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों के वितरण को प्रभावित करने वाली गंभीर सामाजिक समस्या बन सकती है।

भारत में डिजिटल साक्षरता भी एक बड़ी चुनौती है। बुजुर्ग, अशिक्षित लोग, ग्रामीण महिलाएं और प्रवासी मजदूर अक्सर स्मार्टफोन एप्लिकेशन या ऑनलाइन फॉर्म का उपयोग करने में सहज नहीं होते। यदि केवल तकनीक के भरोसे डेटा संग्रह किया गया, तो गलत जानकारी, अधूरी प्रविष्टियां और अंडरकाउंटिंग की संभावना बढ़ जाएगी। अफ्रीकी देशों में डिजिटल जनगणना के कुछ प्रयोगों में यह देखा गया था कि कम साक्षरता वाले क्षेत्रों में त्रुटियों की दर काफी अधिक रही। भारत में यह चुनौती और भी जटिल हो सकती है क्योंकि यहां भाषाई, सामाजिक और आर्थिक विविधता अत्यंत व्यापक है। इसलिए केवल डिजिटल होना पर्याप्त नहीं होगा; यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक समावेशी और उपयोगकर्ता-अनुकूल भी हो।

इसी कारण ऑफलाइन-फर्स्ट मॉडल की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। जनगणना एप्लिकेशन ऐसे होने चाहिए जो इंटरनेट न होने पर भी डेटा संग्रह कर सकें और बाद में नेटवर्क उपलब्ध होने पर सर्वर से सिंक्रोनाइज हो जाएं। इससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी निर्बाध डेटा संग्रह संभव हो सकेगा। साथ ही, स्थानीय भाषाओं में एप्लिकेशन और वॉयस-आधारित सहायता प्रणाली भी विकसित करनी होगी ताकि कम शिक्षित लोग भी इस प्रक्रिया में सहज रूप से भाग ले सकें।

डिजिटल जनगणना के सामने दूसरी बड़ी चुनौती प्रवासी आबादी और असंगठित क्षेत्र के लोगों की सही गणना है। कोविड-19 महामारी के दौरान देश ने देखा कि करोड़ों प्रवासी मजदूरों का विश्वसनीय डेटा उपलब्ध नहीं था। परिणामस्वरूप राहत और पुनर्वास कार्यों में भारी कठिनाइयां सामने आईं।

कोपरा जलाशय: छत्तीसगढ़ का पहला रामसर स्थल बना पर्यावरण संरक्षण की मिसाल

धनंजय राठौर, अशोक कुमार चंद्रवंशी

छत्तीसगढ़ का पहला रामसर स्थल कोपरा जलाशय आज पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और सामुदायिक सहभागिता का प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभर रहा है। जैव विविधता के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस 2026 की थीम स्थानीय स्तर पर कार्य, वैश्विक प्रभाव को यह जलाशय वास्तविक रूप में साकार कर रहा है। सुबह के शांत वातावरण में प्रवासी पक्षियों की मधुर आवाजें और जलाशय के आसपास आजीविका से जुड़े ग्रामीणों की गतिविधियां प्रकृति और मानव जीवन के गहरे संबंध को दर्शाती हैं। कोपरा जलाशय वर्षों से क्षेत्र के लोगों के लिए जल, मत्स्य पालन, कृषि और पर्यावरणीय संतुलन का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा जैव विविधता संरक्षण, आर्द्रभूमि विकास और पर्यावरण संतुलन को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जल स्रोतों के संरक्षण, वृक्षारोपण, वन्यजीव सुरक्षा और सामुदायिक भागीदारी से जुड़े कई अभियान प्रदेश में संचालित किए जा रहे हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव कोपरा जलाशय जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है।वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की जैव विविधता राज्य की अमूल्य धरोहर है और इसके संरक्षण में स्थानीय समुदायों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कोपरा जलाशय यह संदेश देता है कि जब शासन और समाज मिलकर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लेते हैं, तब पर्यावरण सुरक्षा के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी सुरक्षित होता है।

प्रवासी पक्षियों का सुरक्षित आश्रय

कोपरा जलाशय हजारों प्रवासी पक्षियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बन चुका है। हर वर्ष विभिन्न देशों और राज्यों से आने वाले पक्षी यहां भोजन और विश्राम प्राप्त करते हैं। इसके साथ ही यह जलाशय जलीय जीवों, मछलियों, वनस्पतियों और अनेक सूक्ष्म जीवों के लिए भी महत्वपूर्ण आवास प्रदान करता है। इसी विशेषता के कारण इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि के रूप में मान्यता मिली है।

स्वच्छता, वृक्षारोपण और बायो-फेंसिंग पर विशेष जोर

स्थानीय ग्रामीणों, महिला स्व-सहायता समूहों, युवाओं और विद्यालयों की सक्रिय भागीदारी से यहां स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, पक्षी संरक्षण और बायो-फेंसिंग जैसे कार्य लगातार किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलने के साथ लोगों में प्रकृति के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित हो रही है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी महत्वपूर्ण

विशेषज्ञों के अनुसार आर्द्रभूमियां प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करती हैं। वे बाढ़ नियंत्रण, भूजल पुनर्भरण, जल शुद्धिकरण और कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे में कोपरा जलाशय का संरक्षण जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी बेहद उपयोगी साबित हो रहा है।

सतत विकास का बन रहा राष्ट्रीय मॉडल

कोपरा जलाशय आज यह संदेश दे रहा है कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज की साझा जिम्मेदारी है। स्थानीय स्तर पर किए गए छोटे-छोटे प्रयास ही वैश्विक स्तर पर बड़े बदलाव की नींव बनते हैं। छत्तीसगढ़ का यह पहला रामसर स्थल आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और सामुदायिक सहभागिता का राष्ट्रीय मॉडल बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण हमारी साझा जिम्मेदारी है। इस ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण और इसके वैश्विक महत्व पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य के नागरिकों और संरक्षण टीम की सराहना करते हुए अपना संदेश दिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि कोपरा जलाशय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रामसर स्थल की मान्यता मिलना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। हमारी सरकार जैव विविधता संरक्षण, आर्द्रभूमि के विकास और पर्यावरण संतुलन को मजबूत करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। कोपरा जलाशय इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि जब शासन की नीतियां और समाज का संकल्प एक साथ मिलते हैं, तो स्थानीय स्तर पर किए गए छोटे प्रयास भी वैश्विक स्तर पर बड़ा बदलाव ला सकते हैं। हमारी समृद्ध प्रकृति ही हमारी आने वाली पीढ़ियों का सुरक्षित भविष्य है।

स्वयं के प्रति क्रूरता तथा कठोरता श्रेष्ठ होने के प्रमुख अवयव

मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी विजय बाहर नहीं, भीतर होती है। अक्सर हम दुनिया को बदलने, समाज को सुधारने और दूसरों को सही ठहराने में लगे रहते हैं, परंतु एक सत्य हमेशा हमारे सामने खड़ा रहता है यदि हमने स्वयं को नहीं जीता, तो हमने कुछ भी नहीं जीता। पहले स्वयं को जीतिए, फिर जग को जीतिए,यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का मूल मंत्र है। क्योंकि मनुष्य का मन ही उसके किए गए कार्यों का सर्वोच्च निर्णायक होता है। यदि मन के भीतर ईमानदारी नहीं है, तो बाहरी सफलता भी खोखली प्रतीत होती है। मनुष्य को स्वयं के प्रति अत्यंत कठोर तथा क्रूर होना होगा तभी सफलता उसके सामने होगी।महात्मा गांधी ने कहा था, आप स्वयं वह परिवर्तन बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। यह कथन हमें स्पष्ट संकेत देता है कि किसी भी परिवर्तन की शुरुआत बाहर से नहीं, भीतर से होती है। जब तक हम अपने विचारों, अपने कर्मों और अपने चरित्र को नहीं सुधारते, तब तक समाज को सुधारने की बात केवल एक आदर्श कल्पना बनकर रह जाती है। गांधी जी ने अपने जीवन में सत्य और अहिंसा का पालन पहले स्वयं किया, तभी वे करोड़ों लोगों के प्रेरणा स्रोत बने। इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद का यह विचार भी अत्यंत प्रेरणादायक हैउठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। लेकिन इस लक्ष्य की प्राप्ति की पहली शर्त क्या है? स्वयं के भीतर की कमजोरी, आलस्य और भ्रम पर विजय प्राप्त करना। विवेकानंद जी ने युवाओं को यह सिखाया कि आत्मबल ही सबसे बड़ी शक्ति है। जब मनुष्य अपने मन को नियंत्रित कर लेता है, तब उसके लिए कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता।

मेष राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति की सहायता से कोई बाधित कार्य संपन्न हो सकता है। आज मित्रों के साथ में मुलाकात के अवसर बनेंगे और विचारों का आदान-प्रदान भी रहेगा। जिससे कई समस्याओं का समाधान मिलने में भी आसानी होगी।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आप अपनी समझदारी और सूझबूझ द्वारा कोई समस्या का हल निकालने में सक्षम होंगे। आज पारिवारिक मामलों में व्यस्तता बनी रहेगी। आज आप लेखन कार्य में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातों का प्रभाव दूसरों पर पड़ेगा। अगर आप कोई नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो आपको परिवार का पूरा साथ मिलेगा।

मिथुन राशि: आज आपका दिन लकी रहेगा। कुछ मामलों में मेहनत ज्यादा रहेगी और नतीजा कम लाभ वाला मिलेगा। ऑफिस में कोई नया काम भी सामने आ सकता है। उस नए काम को बहुत अच्छी तरह करने का प्रयास करेंगे। आज आपको धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। किसी खास मित्र से आज आपकी मुलाकात होगी, जिनसे मिलकर आप खुश होंगे। आर्किटेक्ट और इन्जीनियरिंग वालों के लिए आज सफलता भरा दिन है।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आप बुद्धिमत्ता व होशियारी से सभी काम बेहतर तरीके से कर पाएंगे। विद्यार्थी वर्ग भी व्यर्थ की बातों से ध्यान हटाकर अपने अध्ययन के प्रति जागृत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। लेकिन ध्यान रखिए, सफलता हासिल करने के लिए आज आपको बहुत मेहनत की जरूरत है। आज आपका रुका हुआ पैसा मिल सकता है।

सिंह राशि: आज आप अपने दिन की शुरुआत किसी गरीब की मदद करके करेंगे। आज आपके घर में कोई धार्मिक अनुष्ठान होने से घर में भक्ति भावना का माहौल बना रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में हो रही गलतफहमियां आज दूर होंगी। स्किन प्रॉब्लम से परेशान लोग आज अच्छे डॉक्टर से सलाह लेंगे।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। इस राशि के बिजनेसमैन के लिए आज का दिन शांति से भरा होगा। आप दोस्तों के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं।

तुला राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। बिजनेस संबंधी योजना चल रही है, तो उस पर काम करने की कोशिश करें। आज आर्थिक रूप से दिन अच्छा है। अगर आपका कोई सरकारी मामला अटका हुआ है तो आज उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे। आपको सफलता मिलने की पूरी उम्मीद है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप अपनी योग्यता और कार्यकुशलता द्वारा उम्मीद से ज्यादा लाभ हासिल करने वाले हैं। आज कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों और सहयोगियों का भरपूर समर्पण रहेगा। आपकी एकाग्रता और उपस्थिति माहौल को अनुशासित रखेगी। आज घर के वातावरण को अनुशासित बनाकर रखने में आपका पूरा सहयोग रहेगा। बच्चों के साथ कुछ समय बिताने से उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज घर और बिजनेस दोनों जगह सामंजस्य रखेंगे और निजी कामों के लिए भी समय निकालने में सफल होंगे। पारिवारिक संबंधों में मजबूती आएगी। बुजुर्गों के आशीर्वाद और स्नेह से घर में सकारात्मक ऊर्जा रहेगी। आज का समय भरपूर मेहनत करने का है।

मकर राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। परिवार संग किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे, पारिवारिक प्रेम बढ़ेगा। आज शांत मन से किसी काम को करेंगें तो जल्द ही पूरा हो जाएगा। कोई पारिवारिक निर्णय लेने से पहले घर के बड़े बुजुर्ग की राय जरूर लें । माता - पिता का आशीर्वाद लेकर घर से निकलेंगे, साथ ही आज आपका कोई रुका काम बनेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। आज स्पोर्ट्स से जुड़े लोग अपनी ट्रेनिंग में पूरी मेहनत करेंगे। कोरियर का बिज़नेस कर रहे कारोबारियों का आज फायदा होगा। आज विद्यार्थी प्रैक्टिकल को पूरा करने में सीनियर्स की मदद लेंगे।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा हो सकता है। आज आपके जीवन में कुछ बदलाव आ सकते हैं जो आपके लिए बढ़िया साबित होंगे। आज आपको किसी काम करने के लिये ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर संजीवनी बना डायल 1033

कल्पना कीजिए, आप एक खूबसूरत सफर पर हैं। चारों तरफ फैली खुली शानदार सड़क, रफ्तार पकड़ती गाड़ी और गुनगुनाता सुहाना मौसम। सब कुछ एकदम मुकम्मल लगता है। लेकिन अचानक, अगले ही मोड़ पर कोई अनहोनी हो जाए...। कई बार हाइवे पर हुआ एक अनचाहा हादसा पल भर में जिंदगी की खुशियों को मातम में बदल देता है। ऐसे किसी अनजान और सुनसान सफर पर, जहां दूर-दूर तक कोई अस्पताल या मदद नजर नहीं आती, वहां मोबाइल की स्क्रीन पर चमकता एक नंबर उम्मीद की सबसे बड़ी किरण बनकर उभरता है- 1033। आज देश के राष्ट्रीय राजमार्गों पर यह चार अंकों का नंबर महज एक हेल्पलाइन नहीं, बल्कि हजारों-लाखों मुसाफिरों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है।

संकट के समय फरिश्ता बनती है एक कॉल

हाइवे पर दुर्घटना होने के बाद जो सबसे पहला घंटा होता है, उसे चिकित्सा विज्ञान में गोल्डन ऑवर कहा जाता है। इस एक घंटे के भीतर अगर घायल को सही इलाज मिल जाए, तो उसकी जान बचने की संभावना 80 फीसदी तक बढ़ जाती है। 1033 इसी गोल्डन ऑवर का रक्षक है।

जैसे ही कोई इस नंबर पर डायल करता है, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का कॉल सेंटर तुरंत हरकत में आ जाता है। जीपीएस ट्रैकिंग के जरिए हादसे की सटीक लोकेशन ट्रेस की जाती है और चंद मिनटों के भीतर एम्बुलेंस मौके पर पहुंचती है। घायलों को नजदीकी ट्रॉमा सेंटर या अस्पताल पहुंचाया जाता है। साथ ही रास्ता साफ करने के लिए क्रेन और पेट्रोलिंग गाड़ियां तैनात हो जाती हैं।

महज 7 से 10 मिनट में आ गई एम्बुलेंस

एनएचएआई के 1033 सेवा का लाभ लेने वाले नितिन वर्मा बताते हैं, मैं रायपुर से बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में सफ़र कर रहा था। दोपहर 2 बजे के करीब हाइवे पर मेरी गाड़ी का एक्सीडेंट हुआ, मोबाइल में नेटवर्क भी कम था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं कहां हूं? मैंने 1033 लगाया, और महज 7 से 10 मिनट में एम्बुलेंस मेरे सामने थी। वो नंबर नहीं, मेरे लिए संजीवनी से कम नहीं था।

सिर्फ हादसा नहीं, हर मुश्किल का हल है 1033

आमतौर पर लोग सोचते हैं कि यह नंबर सिर्फ एक्सीडेंट के समय काम आता है, लेकिन असल में यह हाइवे पर आपका सबसे भरोसेमंद साथी है। आप कई विपरीत स्थितियों में भी इसकी मदद ले सकते हैं। रात के सन्नाटे में अगर गाड़ी का टायर पंचर हो जाए या इंजन फेल हो जाए, हाइवे पर कोई पेड़ गिर गया हो, मवेशी आ गए हों या कोई भारी मलबा पड़ा हो, यात्रा के दौरान अगर अचानक किसी सहयात्री की तबीयत गंभीर रूप से बिगड़ जाए, टोल प्लाजा या फास्टैग संबंधी कोई समस्या हो या हाइवे पर असुरक्षा महसूस हो रही हो... तो भी 1033 सेवा का लाभ लिया जा सकता है।

अनुभवों की जुबानी, संजीवनी की कहानी

रात के सन्नाटे में भारी ट्रक का टायर फटा, 1033 ने दी राहत

ट्रक ड्राइवर श्री गुरदीप सिंह अपने अनुभव साझा करते हैं, बात रात के करीब 09:45 बजे की है। मैं अपना भारी-भरकम ट्रक लेकर रायपुर से बिलासपुर की ओर बढ़ रहे था। अचानक एक जोरदार आवाज के साथ ट्रक का टायर फट गया। भारी वाहन और ऊपर से रात का सन्नाटा... ऐसी स्थिति में हाइवे के किनारे ट्रक खड़ा करना और मदद ढूंढना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था। मैने बिना वक्त गंवाए 1033 पर कॉल किया। एनएचएआई की टीम ने तुरंत मेरी लोकेशन ट्रेस की और हाईवे पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने न सिर्फ क्रेन और तकनीकी मदद का इंतजाम किया, बल्कि जब तक काम पूरा नहीं हुआ, वहां सुरक्षा सुनिश्चित की, ताकि कोई और बड़ा हादसा न हो।

जब जाम हो गया चक्का तो पेट्रोलिंग टीम ने बढ़ाया मदद का हाथ

बिलासपुर-नागपुर रूट के मुसाफिर श्री एस.पी. चौबे ने बताया, हम अपनी कार से सफर कर रहे थे कि अचानक गाड़ी पंचर हो गई। जब स्टेपनी बदलने की बारी आई, तो एक नई मुसीबत खड़ी हो गई। बहुत दिनों से पहिया खुला नहीं था, इसलिए वह बुरी तरह जाम हो चुका था। मेरा ड्राइवर पसीने से तर-बतर होकर उसे खोलने की नाकाम कोशिश कर रहा था, लेकिन वह टस से मस नहीं हो रहा था। हाइवे के किनारे खड़ी हमारी गाड़ी और ड्राइवर की जद्दोजहद को वहां से गुजर रही 1033 की रूट पेट्रोलिंग व्हीकल टीम ने खुद देख लिया।

टीम के जवान तुरंत हमारे पास रुके। उन्होंने न सिर्फ अपनी गाड़ी से जरूरी हैवी टूल्स (औजार) निकाले, बल्कि खुद आगे बढ़कर जाम हो चुके चक्के को खोला, टायर बदला और हमारी गाड़ी को रवाना किया। उनके इस अपनेपन और मुस्तैदी ने हमारा दिल जीत लिया।

भारी ट्रेलर का ब्रेक हुआ जाम, मुस्तैदी से टला बड़ा खतरा

हाइवे पर सुरक्षा सिर्फ छोटे वाहनों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारी-भरकम कमर्शियल वाहनों के लिए भी 1033 एक सुरक्षा कवच है। ऐसा ही एक मामला बिलासपुर से महासमुंद की ओर जा रहे विशाल ट्रेलर के ड्राइवर शिवम यादव के साथ हुआ। उनके ट्रेलर का ब्रेक अचानक जाम हो गया और गाड़ी में जरूरी एयर प्रेशर नहीं बन पा रहा था। बीच हाइवे पर इतने बड़े वाहन का इस तरह रुकना बेहद खतरनाक था।

सूचना मिलते ही 1033 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। भारी ट्रेलर के पीछे से आ रही तेज रफ्तार गाड़ियों को सचेत करने के लिए टीम ने सेफ्टी कोन और चेवरॉन साइन बोर्ड लगाए, ताकि एक सुरक्षित बफर जोन बन सके। इस हाई-प्रोफेशनल ट्रैफिक मैनेजमेंट की वजह से न तो हाइवे पर जाम लगा और न ही कोई दुर्घटना हुई। ट्रेलर को सुरक्षित तरीके से सुधरवाने की व्यवस्था की गई।

सरल, आसान और सुविधाजनक

1033 की सबसे खास बात इसकी सरलता और गति है। यह सेवा 24 घंटे, सातों दिन काम करती है। इसमें भाषा की कोई दीवार नहीं है। स्थानीय भाषाओं से लेकर हिंदी और अंग्रेजी, हर भाषा में यहां मदद मिलती है। टोल-फ्री होने के कारण मोबाइल में बैलेंस न होने पर भी इस पर कॉल की जा सकती है।

बदलते भारत के साथ हमारे हाइवे आधुनिक और हाई-स्पीड हो रहे हैं, लेकिन रफ्तार के इस दौर में सुरक्षा सबसे अहम है। अगली बार जब आप किसी लंबे सफर पर निकलें, तो अपनी गाड़ी की डिक्की चेक करने के साथ-साथ अपने दिमाग और मोबाइल की स्पीड डायल लिस्ट में 1033 को जरूर सेव कर लें। क्योंकि जब हाइवे पर मुश्किलें रास्ता रोकती हैं, तो यही चार अंक संजीवनी बनकर जिंदगी की रफ्तार को थमने नहीं देते।

मार्को रूबियो ने पत्नी जेनेट के साथ किया ताजमहल का दीदार

नई दिल्ली (आरएनएस)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो भारत दौरे के तीसरे दिन दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताज महल का दीदार करने पहुंचे। उनके साथ पत्नी जेनेट डी. रूबियो, अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट गैब्रियल और भारत स्थित अमेरिकी दूतावास के राजदूत सर्जियो गोर भी थे। गोर ने ताज के सामने खिंचवाई तीन तस्वीरें पोस्ट कीं। इनमें रूबियो दंपति और गैब्रियल को भी देखा जा सकता है।इन तस्वीरों के साथ गोर ने लिखा मार्को रूबियो, जेनेट डी रूबियो और रॉबर्ट गैब्रियल के साथ आइकॉनिक ताजमहल पर वापस आकर शानदार अनुभूति हुई। उन्होंने ताजमहल को भारत की असाधारण विरासत और कारीगरी का अद्भुत प्रतीक बताया और कहा कि इसकी खूबसूरती हमेशा मंत्रमुग्ध कर देती है। मार्को रूबियो चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर भारत आए हैं। दौरे की शुरुआत उन्होंने कोलकाता से की फिर दिल्ली आए जहां उनका कार्यक्रम का काफी व्यस्त रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अहम मुलाकात की और उन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया। रविवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उनकी द्विपक्षीय वार्ता काफी सफल रही। तीसरे दिन उन्होंने आगरा के बाद राजस्थान का रुख किया। पत्नी के साथ वो आमेर महल घूमने गए। यहां उन्हें राजस्थान की संस्कृति और विरासत से रूबरू कराया गया।

महंगाई को लेकर राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला, बोले- चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल-डीजल पर 8 की मार

नई दिल्ली, (आरएनएस)। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार जनता की जेब पर लगातार बोझ डाल रही है और महंगाई को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है। राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा, महंगाई वाले मोदी ने फिर हमला किया। वे पेट्रोल-डीजल के दाम किश्तों में बढ़ाते हैं ताकि आपकी जेब से चुपचाप पैसे निकलते रहें। उन्होंने दावा किया कि वह पिछले कई महीनों से देश में आने वाले आर्थिक तूफान को लेकर चेतावनी देते रहे हैं, लेकिन सरकार चुनावी राजनीति में व्यस्त रही। राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी हमेशा की तरह चुनावों में व्यस्त थे और जैसे ही चुनाव खत्म हुए, पेट्रोल-डीजल पर ?8 की बढ़ोतरी कर दी गई। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि यह बढ़ोतरी आगे भी जारी रह सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चुनाव के दौरान बड़े-बड़े वादे करती है, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद आम जनता पर महंगाई का बोझ डाल देती है।राहुल गांधी ने कहा, महंगाई वाले मोदी का बस यही काम है—चुनाव के दौरान वादे और बाकी समय जनता की जेब पर हमला।

पत्नी को भतीजे से हुआ प्यार, पति को करंट देकर तड़पाया; फिर जहर खिलाकर सीढ़ियों से फेंका नीचे

नई दिल्ली(ए)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने रिश्तों और पारिवारिक भरोसे को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। मझोला थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध मौत की जांच के दौरान पुलिस ने हत्या की ऐसी साजिश का खुलासा किया, जिसने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया।पुलिस के अनुसार मृतक पवन की हत्या कथित तौर पर उसकी पत्नी, उसके प्रेमी, पत्नी की बहन और बहन के बॉयफ्रेंड ने मिलकर की। आरोप है कि हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए पूरी वारदात को बेहद योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया।जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने पहले पवन को जहर देने की कोशिश की। विरोध करने पर उसे कथित तौर पर बांधकर बेरहमी से पीटा गया और बिजली के तारों से करंट दिया गया। पुलिस का दावा है कि युवक कई घंटों तक तड़पता रहा। बाद में उसकी मौत होने पर शव को सीढ़ियों से नीचे फेंक दिया गया, ताकि मामला आत्महत्या या हादसे जैसा लगे।घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। शुरुआत में परिजनों ने इसे जहर खाने और गिरने की घटना बताया, लेकिन पुलिस को घटनास्थल और शव की हालत देखकर संदेह हुआ।

एनआईए की बड़ी कार्रवाई : कश्मीर में जमात-ए-इस्लामी के ठिकानों पर छापामारी; संदिग्धों के घर खंगाल रही टीमें

श्रीनगर (आरएनएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सोमवार को प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी कश्मीर के खिलाफ घाटी में व्यापक अभियान चलाते हुए मध्य और दक्षिण कश्मीर के कई इलाकों में छापेमारी की। यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को फिर से सक्रिय करने के कथित प्रयासों की जांच के तहत की गई। एनआईए की टीमों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और अर्धसैनिक बलों के सहयोग से श्रीनगर के लाल बाजार और दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के विभिन्न स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान शोपियां के ज़ैनापोरा स्थित मुलू चित्रगाम इलाके में एक व्यक्ति के घर की भी तलाशी ली गई।

सूत्रों के अनुसार, संबंधित व्यक्ति कथित तौर पर जमात-ए-इस्लामी से जुड़ा रहा है और शोपियां जिले का अमीर-ए-जमात भी रह चुका है। बताया जा रहा है कि उसका संबंध जामिया सिराज-उल-उलूम, इमाम साहिब से भी है। इसके अलावा, शोपियां के इमाम साहिब क्षेत्र में स्थित जमात-ए-इस्लामी से संबद्ध सिराज-उल-उलूम संस्थान में भी तलाशी अभियान चलाया गया।

अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई एनआईए की उस जांच का हिस्सा है जिसमें जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद और भारत-विरोधी प्रचार को बढ़ावा देने के लिए जमात-ए-इस्लामी की गतिविधियों को फिर से सक्रिय करने के प्रयासों की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि फरवरी 2024 में केंद्र सरकार ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA), 1967 की धारा 3(1) के तहत 'जमात-ए-इस्लामी जम्मू-कश्मीर' पर अगले पांच वर्षों के लिए प्रतिबंध बढ़ा दिया था।

सरकारी एजेंसियों का आरोप है कि जमात-ए-इस्लामी आतंकवाद को बढ़ावा देने, अलगाववादी विचारधारा का समर्थन करने और जम्मू-कश्मीर में राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को हवा देने में शामिल रही है। अंतिम समाचार मिलने तक कई स्थानों पर तलाशी अभियान जारी था।

मेट्रो मंडेः CM रेखा गुप्ता ने फिर किया मेट्रो-बस का सफर, नागरिकों से की विशेष अपील

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने लगातार दूसरे सोमवार 'मेट्रो मंडे' पहल के अंतर्गत अपने आवास से दिल्ली सचिवालय तक मेट्रो और डीटीसी बस के माध्यम से यात्रा की।

इस दौरान उन्होंने राजधानी के नागरिकों से सार्वजनिक परिवहन को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईंधन संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और यातायात प्रबंधन में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है।मुख्यमंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किए गए 'मेरा भारत, मेरा योगदान' अभियान का उद्देश्य नागरिकों को सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के लिए प्रेरित करना तथा ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देना है। मेट्रो और बस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने यात्रियों से संवाद भी किया और उनके अनुभवों को जाना। उन्होंने कहा कि यह देखकर संतोष होता है कि बड़ी संख्या में दिल्लीवासी सार्वजनिक परिवहन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना रहे हैं। इससे न केवल लोगों को सुरक्षित, किफायती और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलता है, बल्कि राजधानी में प्रदूषण और ट्रैफिक दबाव को कम करने में भी मदद मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन का उपयोग केवल व्यक्तिगत सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रहित से भी जुड़ा हुआ विषय है।

असम के विधायक गुवाहाटी, असम में 16वीं असम विधानसभा के पहले सत्र के लिए पहुंचे।

EPS को बड़ा झटका, AIADMK के 3 बागी विधायकों ने दिया इस्तीफा; थलपति विजय की पार्टी में हुए शामिल

चेन्नई (आरएनएस)। तमिलनाडु की राजनीति में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। अन्नाद्रमुक (AIADMK) प्रमुख ईडाप्पडी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) को तगड़ा झटका देते हुए पार्टी के तीन बागी विधायकों ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा सौंपने के तुरंत बाद ये तीनों नेता सीधे टीवीके (TVK) के वरिष्ठ नेता और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री आधव अर्जुन के कक्ष में पहुंचे और औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री थलपति विजय की पार्टी टीवीके का दामन थाम लिया।

मंत्री आधव अर्जुन ने अन्नाद्रमुक के टिकट पर चुने गए तीनों विधायकों मदुरंथकम से एम. कुमारवेल, धारापुरम से सत्यभामा और पेरुंदुरई से जयकुमार को शॉल भेंट कर पार्टी में शामिल किया। इस मौके पर अर्जुन ने कहा कि अब हम सब एक परिवार के रूप में मिलकर आगे बढ़ेंगे। दरअसल, इन तीनों विधायकों ने हाल ही में हुए विश्वास मत के दौरान पार्टी व्हिप का खुला उल्लंघन करते हुए टीवीके सरकार का समर्थन किया था, जिसके कारण उन पर अयोग्य ठहराए जाने की तलवार लटक रही थी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इन इस्तीफों को अयोग्यता की कार्रवाई से बचने के लिए उठाए गए एक एहतियाती कदम के रूप में देखा जा रहा है। अब संभावना जताई जा रही है कि ये तीनों नेता टीवीके के सिंबल पर उपचुनाव लड़कर फिर से विधानसभा पहुंचने की कोशिश करेंगेइस सियासी ड्रामे के बीच एआईएडीएमके के लिए थोड़ी राहत की खबर भी आई।

सोनीपत में ट्रिपल मर्डर, अवैध संबंध से रोका तो फ्लैट में घुसकर की पति-पत्नी समेत 3 की बेरहमी से हत्या

सोनीपत (आरएनएस)। हरियाणा के सोनीपत जिले के कुंडली थाना क्षेत्र में रविवार देर रात ट्रिपल मर्डर की सनसनीखेज वारदात

सामने आई। टीडीआई कुंडली स्थित बीपीएल फ्लैट्स में एक व्यक्ति ने पति-पत्नी समेत तीन लोगों की तेजधार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

मृतकों की पहचान विजय और उसकी पत्नी सुनीता निवासी कोट मोहल्ला, सोनीपत तथा स्वाति निवासी गांव बडोली के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक तीनों पर तेजधार हथियार और भारी वस्तु से हमला किया गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।शुरुआती जांच में सामने आया कि पड़ोसियों ने आरोपी के अवैध संबंधों को लेकर टोका था, इस पर झगड़ा हुआ और उसने हमला कर दिया। आरोपी की पहचान ब्रह्मप्रकाश के रूप में हुई है, जो मूल रूप से झज्जर जिले के जसोर खेड़ी गांव का रहने वाला बताया जा रहा है और दिल्ली पुलिस से बर्खास्त बताया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही कुंडली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद सोनीपत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और घटनास्थल को सील कर जांच शुरू कर दी।

सीबीएसई छात्रों के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी, आंसर शीट के लिए कटे एक्स्ट्रा पैसे होंगे रिफंड

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने 12वीं कक्षा के उन छात्रों और उनके अभिभावकों को एक बहुत बड़ी राहत दी है, जो अपनी स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं (आंसर शीट) को लेकर तकनीकी दिक्कतों का सामना कर रहे थे। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि 21 और 22 मई 2026 को तकनीकी खामी के कारण स्कैन कॉपियों के आवेदन के दौरान जिन छात्रों के खाते से अतिरिक्त शुल्क कट गया था, वह पैसा उन्हें पूरी तरह से रिफंड कर दिया जाएगा। यह रिफंड ठीक उसी माध्यम (अकाउंट या कार्ड) में भेजा जाएगा जिससे भुगतान किया गया था। वहीं, तकनीकी गड़बड़ी की वजह से जिन छात्रों से निर्धारित शुल्क से कम राशि ली गई थी, उन्हें शेष राशि चुकाने के लिए बोर्ड की तरफ से अलग से सूचित किया जाएगा।

दोबारा आवेदन करने की नहीं होगी कोई जरूरत

इस पूरे घटनाक्रम पर स्थिति साफ करते हुए सीबीएसई ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक अहम जानकारी साझा की है। बोर्ड ने बताया है कि फीस भुगतान के दौरान तकनीकी समस्या का सामना करने वाले सभी प्रभावित छात्रों को उनकी जांची गई उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपियां हर हाल में उपलब्ध

कराई जाएंगी। इसके लिए किसी भी छात्र को घबराने या पोर्टल पर कोई नया आवेदन (रिक्वेस्ट) करने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं होगी। बोर्ड अपने स्तर पर इस पूरी प्रक्रिया को पूरा कर रहा है।

आखिर क्या है सीबीएसई फीस कटौती का पूरा मामला ?

दरअसल, सीबीएसई कक्षा 12वीं के कई छात्र अपनी जांची हुई उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपियां प्राप्त करना चाहते थे, लेकिन आवेदन प्रक्रिया के पहले तीन दिनों के दौरान उन्हें भारी तकनीकी समस्याओं से जूझना पड़ा। छात्रों ने शिकायत की थी कि वेबसाइट काम नहीं कर रही है और कई मामलों में बैंक खाते से पैसे कट जाने के बावजूद उन्हें स्कैन कॉपी नहीं मिल पा रही है। कुछ छात्रों ने तो यहां तक दावा किया कि उनसे निर्धारित शुल्क से कहीं ज्यादा पैसे वसूल लिए गए। इन सभी भारी दिक्कतों को देखते हुए सीबीएसई ने छात्रों को राहत देते हुए आवेदन की आखिरी तारीख को कई बार आगे बढ़ाया और इसे 19 मई से बढ़ाकर अंतिम रूप से 24 मई कर दिया गया।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिखाई सख्ती, सीबीएसई से तलब की रिपोर्ट

छात्रों को हुई इस भारी परेशानी और सिस्टम की इस बड़ी नाकामी का केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कड़ा संज्ञान लिया है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक, शिक्षा मंत्री ने सीबीएसई से इस पूरे मामले में एक विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने विशेष रूप से सर्वर के डाउन होने और पेमेंट गेटवे के फेल होने के सटीक कारणों की जानकारी मांगी है। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे तकनीकी विफलताओं से निपटने की तैयारियों और पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया का प्रबंधन करने वाली एजेंसियों की जवाबदेही तय करते हुए अपना स्पष्टीकरण जल्द से जल्द सौंपें।

कचरा डंपिंग यार्ड में खुलेआम सड़ रहे 500 से ज्यादा गायों के शव, खौफनाक मंजर देख कांप उठेगी रूह

जैसलमेर (आरएनएस)। राजस्थान के जैसलमेर जिले से एक ऐसी झकझोर देने वाली और दर्दनाक तस्वीर सामने आई है, जिसने सिस्टम और गौ संरक्षण के बड़े-बड़े दावों की पोल खोल कर रख दी है। यहां शहर के नगर परिषद क्षेत्र में स्थित एक कचरा डंपिंग यार्ड में 500 से अधिक मृत गायों के सड़े हुए शव खुले आसमान के नीचे पड़े मिले हैं। इस खौफनाक मंजर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद से ही पूरे इलाके में भारी आक्रोश फैल गया है। गो प्रेमियों और आम जनता ने सरकारी व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए प्रशासन पर जवाबदेही तय करने का भारी दबाव बना दिया है।

डंपिंग यार्ड में दिखा रोंगटे खड़े कर देने वाला मंजर

यह भयावह नजारा जैसलमेर जिला मुख्यालय से करीब 7 किलोमीटर दूर रामगढ़ मार्ग पर बने नगर परिषद के डंपिंग यार्ड का है। रविवार को जब इस जगह का एक वीडियो सामने आया, तो उसे देखकर हर कोई सन्न रह गया। वीडियो में बड़ी संख्या में मृत गायों के शव कचरे के बीच इधर-उधर बिखरे और सड़ते हुए दिखाई दिए। वहां पहुंचे कुछ स्थानीय गो सेवकों का

कहना है कि शनिवार को जब वे मौके पर गए, तो वहां की स्थिति इतनी बदतर और बदबूदार थी कि एक पल के लिए भी वहां खड़ा रहना मुश्किल हो रहा था। यह दृश्य देखकर हर गो भक्त की रूह कांप उठी।

ठेकेदार की बड़ी लापरवाही आई सामने, प्रशासन में मचा हड़कंप

इस पूरे मामले में मृत पशुओं का निस्तारण करने वाले अधिकृत हड्डी ठेकेदार की घोर लापरवाही सामने आई है। बताया जा रहा है कि लंबे समय से मृत पशुओं का सही तरीके से निस्तारण नहीं किया जा रहा था, जिसके चलते डंपिंग यार्ड में शवों का इतना बड़ा ढेर लग गया। वीडियो वायरल होने और लोगों का गुस्सा भड़कने के बाद प्रशासन की नींद टूटी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जैसलमेर की जिला कलेक्टर अनुपमा जोरवाल ने तुरंत अधिकारियों से तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की है। वहीं, नगर परिषद आयुक्त लजपाल सिंह सोढा ने भी कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है।इस दर्दनाक घटना ने 'गौ माता' के सम्मान और संरक्षण पर एक नई और तीखी बहस छेड़ दी है। गो प्रेमी हुक्मदान और अन्य स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस समाज में गाय को माता का दर्जा प्राप्त है, वहां ऐसी तस्वीरें आना बेहद शर्मनाक और आत्ममंथन का विषय है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि मंचों से गौ रक्षा की बड़ी-बड़ी बातें तो खूब की जाती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन सड़े हुए शवों के रूप में सामने आ रही है। स्थानीय लोगों का स्पष्ट कहना है कि केवल खोखले नारों और घोषणाओं से गौ संरक्षण नहीं होगा।

सलमान खान हुए गिरफ्तार, लगा ये सनसनीखेज आरोप

नई दिल्ली,(आरएनएस)। उत्तराखंड एसटीएफ और गोवा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में देशभर में सक्रिय एक बड़े सेक्सटॉर्शन रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। दोनों एजेंसियों ने देहरादून से गैंग के कथित सरगना सलमान खान को गिरफ्तार किया है, जो पिछले तीन वर्षों से फरार चल रहा था। आरोपी पर अमीर कारोबारियों को हनीट्रैप में फंसाकर करोड़ों रुपये की उगाही करने का आरोप है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, देहरादून के माजरा क्षेत्र निवासी सलमान खान गोवा के मापुसा थाना क्षेत्र में दर्ज ब्लैकमेलिंग और सेक्सटॉर्शन के कई मामलों में वांछित था। लंबे समय से उसकी तलाश की जा रही थी। आखिरकार एसटीएफ ने उसे नेहरू कॉलोनी इलाके से गिरफ्तार कर गोवा पुलिस के हवाले कर दिया।जांच में सामने आया है कि यह गैंग बेहद सुनियोजित तरीके से काम करता था। गिरोह की महिला सदस्य सोशल मीडिया के जरिए बड़े उद्योगपतियों और संपन्न कारोबारियों से संपर्क करती थीं। दोस्ती और नजदीकियां बढ़ाने के बाद उन्हें गोवा के आलीशान विला या फाइव स्टार होटल में मिलने के लिए बुलाया जाता था।बताया जा रहा है कि पीड़ित के पहुंचने से पहले ही कमरे या विला में गुप्त कैमरे फिट कर दिए जाते थे, ताकि निजी पलों की रिकॉर्डिंग की जा सके। इसके बाद शुरू होता था ब्लैकमेलिंग का खतरनाक खेल।

इबोला वायरस ने कांगो में मचा दिया हाहाकार, 900 के पार पहुंची मामलों की संख्या, 119 मौत दर्ज

किंशासा (आरएनएस)। अफ्रीकी देश कांगो में इबोला वायरस का कहर बढ़ता जा रहा है। कांगो के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि देश के पूर्वी हिस्से में जारी इबोला के कहर के दौरान संदिग्ध मामलों की संख्या 900 के पार पहुंच गई है। कांगो के संचार मंत्रालय की ओर से रविवार को सोशल मीडिया पर जानकारी दी गई है कि इबोला वायरस के 904 संदिग्ध मामले सामने आए हैं और 119 संदिग्ध मौत दर्ज की गई हैं।

इससे पहले कांगो के अधिकारियों ने जानकारी दी थी कि देश में इबोला वायरस के 700 से ज्यादा संदिग्ध मामले दर्ज किए गए हैं और 170 से ज्यादा संदिग्ध मौत जानकारी सामने आई है। इबोला के अधिकतर मामले कांगो के इतुरी प्रांत से जुड़े हुए थे। इसी इलाके में इबोला का सबसे ज्यादा प्रकोप देखने को मिला है। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ ने भी जानकारी दी है कि इबोला का प्रकोप कांगो के लिए हाई रिस्क पैदा कर रहा है। हालांकि, ये भी जानकारी दी है कि इबोला के वैश्विक स्तर पर फैलने का खतरा ज्यादा नहीं है।

भारत सरकार ने भी इबोला से प्रभावित देशों से आने वाले या इन देशों से होकर गुजरने वाले यात्रियों के लिए हेल्थ एडवाइस जारी की है। एडवाइजरी में कहा गया है कि जिनमें संक्रमण के लक्षण हों वे इमिग्रेशन से पहले स्वास्थ्य अधिकारियों को तुरंत इसकी सूचना दें। डीजीएचएस की ओर से जारी की गई स्वास्थ्य सलाह में विशेष रूप से कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, युगांडा और दक्षिण सूडान से आने वाले यात्रियों का जिक्र किया गया है। बता दें कि इन देशों को डब्ल्यूएचओ द्वारा हाई रिस्क वाले देशों की लिस्ट में रखा गया है।

इबोला वायरस को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे निगरानी बढ़ाए और अस्पतालों की तैयारी व अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की जांच बढ़ाए। मंत्रालय की ओर से इबोला को लेकर बताए गए लक्षणों में- बुखार, कमजोरी, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द, गले में खराश, उल्टी, दस्त, पेट दर्द, त्वचा पर चकत्ते और आंखों का लाल होना शामिल हैं।

ट्रंप ने ईरान समझौते में जल्दबाजी न करने को कहा, बोले- दोनों पक्षों को लेना चाहिए समय

वाशिंगटन(आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ समझौते को लेकर जल्दबाजी न करने का आग्रह किया है। उन्होंने सोशल मीडिया ट्रुथ पर कहा कि ईरान के साथ अमेरिका की बातचीत सही दिशा में बढ़ रही है और इसमें दोनों पक्षों को जल्दबाजी में फैसला नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक कोई समझौता नहीं हो जाता और उस पर हस्ताक्षर नहीं हो जाते, तब तक ईरानी बंदरगाहों पर नाकाबंदी जारी रहेगी। ट्रंप ने ट्रुथ पर लिखा, ईरान के साथ बातचीत एक व्यवस्थित और रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ रही है। मैंने अपने प्रतिनिधियों को बता दिया है कि वे किसी डील को लेकर जल्दबाजी न करें, क्योंकि समय हमारे पक्ष में है। जब तक कोई समझौता नहीं होता, उसे प्रमाणित नहीं कर दिया जाता और हस्ताक्षर नहीं होते, तब तक नाकाबंदी लागू रहेगी। दोनों पक्षों को अपना समय लेना चाहिए और सब-कुछ ठीक से करना चाहिए। कोई गलती नहीं होनी चाहिए।ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय हुए ईरान समझौते को निशाने पर लिया और उसे खराब बताते हुए कहा कि नौसिखियों के समझौते से ईरान को परमाणु हथियार बनाने का मौका मिला। ट्रंप ने लिखा कि अब ईरान के साथ अमेरिका के संबंध अब कहीं ज़्यादा पेशेवर और फलदायी हैं।

बांग्लादेश में सरिया से लदा ट्रक खाई में पलटा, कम से कम 15 लोगों की मौत

ढाका, (आरएनएस)। तड़के मध्य बांग्लादेश के एक मुख्य हाईवे पर लोहे की छड़ें और अतिरिक्त यात्री ले जा रहा एक ट्रक पलट गया, जिससे कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए।

स्थानीय पुलिस प्रमुख फुआद हुसैन ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब 5 बजे तांगाइल जिले के सोराटोइल इलाके में हुई, जब ड्राइवर ने ट्रक से नियंत्रण खो दिया। यह जगह देश की राजधानी ढाका से 83 किलोमीटर (52 मील) उत्तर-पश्चिम में स्थित है।

हुसैन ने बताया कि ट्रक में ऐसे यात्री सवार थे जो लिफ्ट लेकर यात्रा कर रहे थे। यह ट्रक ढाका से उत्तरी क्षेत्र की ओर जा रहा था, क्योंकि गुरुवार को होने वाले इस्लामी त्योहार ईद-उल-अज़हा से पहले लोग छुट्टियों के लिए अपने घरों की ओर निकल पड़े थे। उन्होंने बताया कि ट्रक पलटने से यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई।

पाकिस्तान में दर्दनाक हादसा, बस की टक्कर से 17 लोगों की मौत, बचाव कार्य जारी

पेशावर, (आरएनएस)। पाकिस्तान के मरदान जिले से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां स्वात एक्सप्रेसवे पर एक बस की टक्कर से 17 लोगों की मौत हो गई है। इस हादसे में पांच लोग घायल भी बताए जा रहे हैं, जिन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि एक बस खराब होने की वजह से सड़क किनारे खड़ी थी, तभी दूसरी बस ने उसमें टक्कर मार दी, जिससे यह हादसा हुआ।

पुलिस ने बताया कि सोमवार को पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम इलाके के मरदान जिले में सड़क हादसा हो गया। यहां स्वात एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़ी एक मोटरबस को टक्कर मार दी। इस हादसे में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 अन्य घायल हो गए।

होर्मुज स्ट्रेट विवाद सुलझने के आसार, खत्म होगा पश्चिम एशिया का संकट

तेहरान (ए.)। पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव अब सुलझने की कगार पर पहुंच गया है। अमेरिका और इजरायल के साथ जारी गतिरोध के बीच अब ईरान ने भी शांति समझौते को लेकर बेहद सकारात्मक संकेत दिए हैं। तेहरान की ओर से स्पष्ट किया गया है कि वह वैश्विक व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट को फिर से पूरी तरह खोलने के लिए तैयार है। हालांकि, स्थिति को पूरी तरह से युद्ध-पूर्व के सामान्य स्तर पर लाने में करीब एक महीने यानी 30 दिनों का समय लग सकता है।

इस संभावित शांति समझौते के तहत दोनों पक्षों के बीच 60 दिनों के युद्धविराम विस्तार पर सहमति बनने की चर्चा है। इस अवधि के दौरान होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही को पूरी तरह सुरक्षित और टैक्स-मुक्त रखा जाएगा, जैसा कि तनाव शुरू होने से पहले था। ईरान की ओर से यह प्रस्ताव भी रखा गया है कि जैसे ही अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट के बाहर से अपनी नाकेबंदी हटाएगा, वैसे ही ईरान भी इस मार्ग को पूरी तरह सक्रिय कर देगा। इसके अलावा, ईरान इस समुद्री मार्ग में बिछाई गई बारूदी माइन्स को हटाने में भी सहयोग करने के लिए राजी हो गया है। इसके बदले में अमेरिका ईरान को कुछ आर्थिक प्रतिबंधों से छूट दे सकता है, जिससे वह अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिर से अपना कच्चा तेल बेच सके।

वैश्विक स्तर पर इस समझौते को लेकर हलचल तेज है। भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने नई दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ मीडिया से बात करते हुए संकेत दिए कि

ईरान के साथ बातचीत सकारात्मक दिशा में बढ़ रही है और आने वाले कुछ ही घंटों में दुनिया को एक बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। हालांकि, इसके साथ ही अमेरिका ने अपना पुराना रुख भी स्पष्ट रखा है कि किसी भी समझौते की स्थिति में ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस शांति समझौते के मुख्य मसौदे के तहत अमेरिका और उसके सहयोगी देश तेहरान को यह भरोसा देंगे कि वे उस पर हमला नहीं करेंगे। बदले में ईरान भी अमेरिकी सहयोगियों की सुरक्षा को कोई नुकसान नहीं पहुंचाएगा। वर्तमान में इस प्रस्तावित समझौते की समीक्षा ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा की जा रही है। वहां से मंजूरी मिलने के बाद इसे अंतिम मुहर के लिए सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह मुजतबा खामेनेई के पास भेजा जाएगा। यदि दोनों पक्षों में अंतिम सहमति बनती है, तो यह पश्चिम एशिया सहित पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा।

एफिल टॉवर को लगी जंग, रुस का एयरबेस तबाह जमीन पर तबाही का मंजर!

लंदन,(ए.)। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक रहस्यमयी वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक व्यक्ति खुद को टाइम ट्रैवलर बता रहा है। उसका दावा है कि वह साल 2050 से आया है और उसने तीसरे विश्व युद्ध के बाद की तबाही की दुनिया देखी है। वीडियो में वह दुनिया की ऐसी तस्वीर दिखा रहा है, जिसे देखकर लोग हैरान हैं और डरे हुए भी हैं। यह वीडियो टिकटॉक अकाउंट से शेयर किया गया है। इस अकाउंट पर पहले भी कई रहस्यमयी और एआई से बने वीडियो पोस्ट किए जा चुके हैं, लेकिन इस बार शेयर किए गए वीडियो ने लोगों का ध्यान खींचा है। वीडियो में दावा किया गया है कि भविष्य में दुनिया पूरी तरह बदल चुकी है और बड़े-बड़े शहर वीरान हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीडियो की शुरुआत पेरिस के मशहूर एफिल टॉवर से होती है। टाइम ट्रैवलर होने का दावा करने वाला शख्स कहता है कि वह साल 2050 में पेरिस में है। वह कैमरे में एक जंग लगा हुआ एफिल टॉवर दिखाता है।

कोमा से जागी लड़की के सामने खड़ा था BF, सहेली के आते ही खुला ऐसा राज जिसे सुन कांप जाएगी रुह

वाशिंगटन (आरएनएस)। चोट लगने के बाद लड़की का कोमा में जाना और याददाश्त चले जाने पर भी प्रेमी का उसकी पूरी शिद्दत से देखभाल करनाज यह सुनने में किसी रोमांटिक बॉलीवुड फिल्म की कहानी जैसा लगता है। लेकिन इस कहानी का अंत इतना डरावना और खौफनाक है कि इसे जानकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। अमेरिका में एक ऐसा ही हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक लड़के ने कोमा से लौटी लड़की का बॉयफ्रेंड होने का झूठा ड्रामा रचा। लेकिन असल में वह कोई प्रेमी नहीं, बल्कि एक ऐसा शातिर शख्स था जिसका असली मकसद बेहद खौफनाक था।यह रूह कंपा देने वाली कहानी अमेरिका की रहने वाली ब्रुक नाइस्ली की है। साल 2015 में ब्रुक के साथ एक बेहद दर्दनाक हादसा हुआ था। वह अचानक करीब 20 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गई थीं। इस भयानक हादसे में उनके सिर पर इतनी गंभीर चोटें आईं कि उनका मानसिक संतुलन भी बिगड़ गया। सिर की गहरी चोट की वजह से ब्रुक की याददाश्त पूरी तरह चली गई और वह 10 दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच झूलते हुए कोमा में रहीं। लेकिन उनके लिए असली खतरा कोमा नहीं, बल्कि जागने के बाद उनका इंतजार कर रहा था। ह ब्रुक ने हाल ही में 'द सेक्स दैट चेंज्ड माई लाइफ' नाम के एक पॉडकास्ट में अपनी इस डरावनी आपबीती का जिक्र किया। ब्रुक ने बताया कि 10 दिन बाद जब उन्हें अस्पताल में होश आया, तो उनके बिस्तर के पास एक लड़का खड़ा था। ब्रुक का दिमाग उस वक्त पूरी तरह सुन्न था।

फीचर

रोजाना बर्फ खाने से हो सकते हैं ये 5 स्वास्थ्य जोखिम, आज ही बदलें यह आदत

बर्फ खाने की आदत कई लोगों को होती है। यह आदत भले ही आपको मजेदार लगे, लेकिन इसके कई स्वास्थ्य जोखिम हो सकते हैं। बर्फ खाने से आपके मुंह, गले और पेट पर बुरा असर पड़ सकता है। इस लेख में हम आपको रोजाना बर्फ खाने से होने वाले कुछ गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में बताएंगे, ताकि आप इस आदत को सुधार सकें और अपने स्वास्थ्य का बेहतर तरीके से ख्याल रख सकें।

दांतों को हो सकता है नुकसान

रोजाना बर्फ खाने से आपके दांतों को काफी नुकसान पहुंच सकता है। बर्फ बहुत ठंडी होती है, जो दांतों की ऊपरी परत को कमजोर कर सकती है। इससे दांत संवेदनशील हो जाते हैं और दर्द भी हो सकता है। इसके अलावा बर्फ चबाने से दांतों में दरारें पड़ सकती हैं, जिससे कीड़े लग सकते हैं। इसलिए, बेहतर होगा कि आप बर्फ खाने की आदत को छोड़ दें और पानी को प्राथमिकता दें।

गले में हो सकता है संक्रमण

बर्फ खाने से गले में संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। ठंडी बर्फ गले के अंदरूनी हिस्से पर असर डाल सकती है, जिससे सूजन और जलन हो सकती है। इससे गले में खराश, खांसी और दर्द भी हो सकता है। इसके अलावा ठंडी बर्फ खाने से गले की नसें सिकुड़ सकती हैं, जिससे सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। ऐसे में आपको बात करने या खाने-पीने में भी असुविधा झेलनी पड़ सकती है।

पेट पर पड़ सकता है बुरा असर

बर्फ खाने से पेट पर भी बुरा असर पड़ सकता है। ठंडी बर्फ पेट के अंदरूनी हिस्से को नुकसान पहुंचा सकती है, जिससे उल्टी और दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा बर्फ खाने से पेट में गैस बन सकती है, जिससे पेट दर्द और अपच की समस्या हो सकती है। बर्फ पेट में जा कर कुछ देर के लिए ठंडक तो प्रदान करती है, लेकिन इसका बाद में जो असर होता है, वो अच्छा नहीं होता है।

शरीर का तापमान हो सकता है असंतुलित

रोजाना बर्फ खाने से शरीर का तापमान असंतुलित हो सकता है। इससे शरीर को सामान्य तापमान पर वापस आने में समय लग सकता है, जिससे ठंड लग सकती है। इसके अलावा बर्फ खाने से शरीर में सूजन बढ़ सकती है, जिससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, बेहतर होगा कि आप बर्फ खाने की आदत को छोड़ दें और पानी को प्राथमिकता दें। अगर गर्मी महसूस हो रही हो तो ठंडा पानी पी लें।

दिल की सेहत पर पड़ सकता है असर

रोजाना बर्फ खाने से दिल की सेहत पर भी असर पड़ सकता है। बर्फ खाने से खून की नसें सिकुड़ सकती हैं, जिससे खून का दबाव बढ़ सकता है और दिल की बीमारी का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा बर्फ खाने से दिल की धड़कन भी अनियमित हो सकती है, जो एक खतरे की घंटी होती है। इसलिए, बेहतर होगा कि आप बर्फ खाने की आदत को छोड़ दें और पानी को प्राथमिकता दें।

फ्रिज में प्लास्टिक और कांच की बोतल में से किसमें पानी रखना होता है बेहतर?

पानी को स्टोर करने के लिए प्लास्टिक और कांच की बोतल, दोनों का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, जब बात फ्रिज में पानी स्टोर करने की आती है तो इस पर काफी चर्चा होती रहती है। कुछ लोग कहते हैं कि प्लास्टिक की बोतल में पानी रखना हानिकारक है, वहीं कुछ लोग कांच की बोतल को बेहतर मानते हैं। आइए जानते हैं कि फ्रिज में पानी स्टोर करने के लिए कौन-सी बोतल का इस्तेमाल करना चाहिए।

प्लास्टिक की बोतल में पानी स्टोर करना सुरक्षित है?

प्लास्टिक की बोतल में पानी स्टोर करना सुरक्षित है या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस तरह की प्लास्टिक का इस्तेमाल कर रहे हैं। अगर आप बिना हानिकारक रसायनों वाली प्लास्टिक का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह सुरक्षित है। हालांकि, सस्ती और घटिया गुणवत्ता की प्लास्टिक में नुकसानदायक रसायन होते हैं, जो पानी में मिल सकते हैं और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

कांच की बोतल का चयन करना

कांच की बोतल एक अच्छा विकल्प हो सकता है, क्योंकि यह बिना किसी हानिकारक रसायन के होती है। इसके अलावा कांच की बोतलें लंबे समय तक चलती हैं और इनमें रखा पानी ताजा भी लगता है। हालांकि, कांच की बोतलें भारी होती हैं और टूटने का खतरा अधिक होता है, इसलिए इन्हें संभालते समय सावधानी बरतें। इसके साथ ही इन्हें धोकर साफ रखना भी जरूरी है, ताकि इनमें बैक्टीरिया न पनप सकें।

प्लास्टिक बनाम कांच: कौन-सी बोतल है बेहतर?

अब सवाल यह है कि प्लास्टिक और कांच में से कौन-सी बोतल बेहतर है? इसका जवाब देना मुश्किल है, क्योंकि दोनों के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। अगर आप लंबे समय तक चलने वाला समाधान चाहते हैं तो कांच की बोतल बेहतर है, लेकिन अगर आप यात्रा के दौरान या ऑफिस में आसानी से इस्तेमाल करना चाहते हैं तो प्लास्टिक एक अच्छा विकल्प है। सबसे जरूरी है कि आप हमेशा बिना हानिकारक रसायनों वाली प्लास्टिक का ही चयन करें।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

प्लास्टिक की बोतल में मौजूद कुछ रसायन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। ये रसायन पानी में मिल सकते हैं और शरीर में जाकर कई समस्याएं पैदा कर सकते हैं। इसके विपरीत कांच की बोतलें पूरी तरह से सुरक्षित होती हैं और इनमें रखे पानी का स्वाद भी प्रभावित नहीं होता। इसलिए, स्वास्थ्य के लिहाज से कांच की बोतल अधिक सुरक्षित मानी जाती है। प्लास्टिक की बोतलों में प्लास्टिक के महीन कण भी घुल जाते हैं।

पर्यावरणीय प्रभाव

प्लास्टिक की बोतलों का इस्तेमाल पर्यावरण के लिए हानिकारक होता है, क्योंकि ये आसानी से नष्ट नहीं होतीं और जमीन पर कई साल तक पड़ी रहती हैं। इससे प्रदूषण बढ़ता है और जलीय जीव-जंतु भी प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर कांच की बोतलें दोबारा इस्तेमाल की जा सकती हैं और इन्हें लंबे समय तक चलाया जा सकता है। इसलिए, पर्यावरण के लिए कांच की बोतलें बेहतर विकल्प साबित होती हैं।

व्हाइट प्लीटेड फ्लैप पैंटसूट में क्वीन ऑफ कान्स ऐश्वर्या राय का ग्लैमरस अवतार, नमस्ते कर जीता सबका दिल

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 के लिए ऐश्वर्या राय बच्चन ने रेड-कार्पेट पर बिल्कुल अलग-अलग अंदाज में नजर आई. ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपने सबसे बोल्ड फैशन मोमेंट्स में से एक को फिनाले के लिए बचाकर रखा था. जब मशहूर कान्स फिल्म फ़ेस्टिवल 2026 का समापन हुआ, तो बॉलीवुड की इस आइकॉन ने रेड कार्पेट पर एक बेहद शानदार लुक में एंट्री की, जिसने पूरे इंटरनेट को अपना दीवाना बना दिया.

कान्स के फाइनल में ऐश्वर्या राय बच्चन एक क्लासिक सफेद टक्सीडो पहनाना चाहती थीं, जिसमें एक्ट्रेस के कुछ सबसे यादगार ऑन-स्क्रीन लुक्स की झलक हो. इस इंटरनेशनल कान्स फिल्म फेस्टिवल के 79वें संस्करण की समापन सेरेमनी के लिए, क्वीन ऑफ कान्स ने सबसे स्टाइलिश सफेद लुक चुना, एक लेयर्ड टक्सीडो जिसमें पंखों की डिटेलिंग थी, एक फ़ेदर बोआ.

हालांकि ऐश्वर्या ने कान्स रेड कार्पेट पर कई बार सफेद रंग के आउटफिट पहने हैं, लेकिन यह टक्सीडो अब तक के उनके सबसे बेहतरीन लुक्स में से एक है. यह आउटफिट चीनी डिजाइनर चेनी चान ने खास तौर पर डिजाइन किया है, और इसकी स्टाइलिंग भारतीय सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट मोहित राय और उनकी टीम ने की है. इंस्टाग्राम पेज बॉलीवुड वीमेन क्लोसेट के अनुसार, उनके गहने यूके स्थित हसनजादेह ज्वेलरी के हैं.

एक्ट्रेस ने एक बेहद स्टाइलिश सफेद ब्लेजर पहना था, जिस पर चारों ओर चमकते हुए सेक्विन का काम किया गया था. इसकी बनावट को उभरे हुए कंधों, परतदार नॉच लैपल्स और लेस की कारीगरी से और भी ज्यादा शानदार बना दिया गया था.

कमर पर फिटिंग वाली बनावट ने उनकी काया को बेहद खूबसूरती से तराशा, वहीं क्रिस्टल जड़े हुए सामने के क्लोजर ने इस स्ट्रक्चर्ड जैकेट को एक गहने जैसा आकर्षक रूप दिया. इसके नीचे, ऐश्वर्या ने ब्लेजर के साथ एक मैचिंग सफेद बस्टियर पहना था, जिस पर लेस की कढ़ाई की गई थी और जो ब्लेजर के नीचे से हल्की-हल्की झलक रही थी.

लगातार सीखना और जमीन से जुड़े रहना ही असली विकास : सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर फिल्ममेकर महेश मांजरेकर की बेटी हैं और धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपना नाम बना रही हैं। सई का मानना है कि भले ही उनके पिता इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं, लेकिन आने वाले समय में केवल अनुशासन, काम के प्रति लगन और कड़ी मेहनत ही उनकी सफलता की पूंजी होगी। अपनी यात्रा को लेकर अभिनेत्री ने कहा, मैं हमेशा से अपने फिल्मी बैकग्राउंड के आराम से बाहर निकलकर अपनी खुद की पहचान बनाना चाहती थी। मेरे लिए, विकास लगातार सीखने, अपने काम के जरिए खुद को साबित करने और इन सबके बीच जमीन से जुड़े रहने से आता है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि हर किसी की यात्रा चुनौतियों के साथ आती है और उसकी तुलना करने के बजाय हमें अपने विकास पर ध्यान देना चाहिए।अभिनेत्री सई मांजरेकर बचपन से ही डांस के प्रति गहरी रुचि रखती थीं और अभिनय की दुनिया में आने से पहले उन्होंने अपने पिता की फिल्म अस्तित्व (2018) में एक सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया था। इसके बाद साल 2019 में दबंग-3 में खुशी चौटाला की भूमिका से बॉलीवुड में डेब्यू किया और अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों का ध्यान खींचा। अभिनेत्री जल्द ही पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म इंडिया हाउस में नजर आएंगी। यह फिल्म 1905 के लंदन में स्वतंत्रता-पूर्व काल की वास्तविक घटनाओं पर आधारित एक पीरियड ड्रामा है, जो प्रेम और क्रांति की भावना को दर्शाती है, जिसकी शूटिंग हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में हुई है।

नई दिल्ली में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से की सौजन्य भेंट।

नौपता बढ़ाएगी परेशानी, भीषण गर्मी के बीच आने वाले चार दिनों में बारिश और तेज हवाओं से जल्द मिलेगी राहत

रायपुर, (आरएनएस)। प्रदेश में सोमवार से नौपता की शुरुआत हो रही है, जिसके चलते रायपुर समेत पूरे छत्तीसगढ़ में गर्मी और बढ़नेकी संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिनों तक मध्य छत्तीसगढ़ के एक-दो हिस्सों में ग्रीष्म लहर चल सकती है। राहत की बात यह कि इसके बाद अधिकतम तापमान में एक से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने के संकेत मिले हैं। रायपुर का अधिकतम तापमान 44.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि माना एयरपोर्ट में पारा 45 डिग्री तक पहुंच गया। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में रिकॉर्ड किया गया।

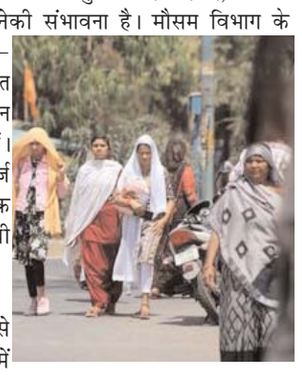

बारिश और तेज हवाओं की संभावना

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक उत्तर-पश्चिम दिशा से आने वाली गर्म और शुष्क हवाओं के कारण तापमान में लगातार बढ़ोतरी हुई है। दो से तीन दिनों बाद मौसम प्रणाली में बदलाव होने की संभावना है। इसके चलते कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग ने एक-दो स्थानों पर वज्रपात की चेतावनी भी जारी की है।गर्मी का असर अब लोगों की सेहत पर भी दिखाई देने लगा है। डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल में रोजाना 80 से 100 मरीज हीट स्ट्रोक जैसे लक्षणों के साथ पहुंच रहे हैं। वहीं जिला अस्पताल पांडरी में भी 50 से 60 मरीज गर्मी से जुड़ी समस्याओं का इलाज कराने आ रहे हैं। हमर अस्पताल और हमर क्लीनिकों में भी मरीजों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। छत्तीसगढ़ में 25 मई का मौसम: कुछ इलाकों में लू चलने की संभावना है।

खिलाड़ी बुक पर बिलासपुर पुलिस का बड़ा प्रहार, ऑनलाइन सट्टा गैंग से 22 लाख जब्त

बिलासपुर (आरएनएस)। मोबाइल की स्क्रीन पर चल रहा था करोड़ों के खेल का काला धंधा, लेकिन बिलासपुर पुलिस की रेड ने खिलाड़ी बुक के पूरे नेटवर्क को हिला दिया। मंगला इलाके में ऑनलाइन सट्टे का अड्डा बनाकर अलग-अलग खेलों पर दांव लगवा रहे सटोरियों को सिविल लाइन पुलिस ने दबोच लिया। कार्रवाई इतनी तगड़ी रही कि मौके से 13 लाख 48 हजार रुपये नगद, 27 एटीएम कार्ड, 5 मोबाइल फोन, एक टाटा कार और स्कूटी समेत कुल 22 लाख 63 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया गया। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि सट्टे की रकम अलग-अलग खातों और माध्यमों से आगे पहुंचाई जा रही थी। मामले में गिरफ्तार आरोपी संतोष जसवानी पिता स्वर्गीय हरिलाल जसवानी उम्र 34 वर्ष निवासी हेमुनगर तोरवा हाल मुकाम रोमन हाईट्स गंगानगर फेस-02 मंगला थाना सिविल लाइन बिलासपुर, करन श्रीवास पिता देवी प्रसाद श्रीवास उम्र 20 वर्ष निवासी पानी टंकी के पास नयापारा सिरगिट्टी बिलासपुर, आशीष जसवानी पिता अमेश उम्र 20 वर्ष निवासी बी.आर. हॉस्पिटल के पास बिलासपुर तथा एक विधि से संघर्षरत बालक शामिल हैं। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एचडीएफसी बैंक के पास आरोपी मोबाइल फोन के जरिए खिलाड़ी बुक नामक ऑनलाइन पैनल से सट्टा संचालित कर रहे हैं। सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस ने घेराबंदी कर रेड मारी और पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर दिया। जांच में सामने आया कि आरोपी संतोष जसवानी सट्टे की रकम आशीष जसवानी के माध्यम से आगे पहुंचा रहा था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नगदी, मोबाइल, एटीएम कार्ड और वाहन जब्त कर धारा 7(2) छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम एवं धारा 112 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। वहीं फरार सटोरिये रोहित पंजवानी, सागर चेतवानी और राज चेतानी के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी कर लगातार दबिश दी जा रही है। बहरहाल, बिलासपुर पुलिस का साफ संदेश है कि ऑनलाइन सट्टे की दुनिया में अब हर डिजिटल दांव पुलिस की रडार पर है।

फेसबुक वाले प्रेमी संग रची मौत की साजिश, पति को बिलासपुर बुलाकर उतारा मौत के घाट

बिलासपुर, (आरएनएस)। बिलासपुर में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है। झारखंड की रहने वाली एक महिला ने अपने प्रेमी और उसके साथियों के साथ मिलकर अपने ही पति की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को सिरगिट्टी रेलवे ट्रैक किनारे झाड़ियों में फेंक दिया गया। कई दिनों बाद जब झारखंड पुलिस महिला को लेकर बिलासपुर पहुंची, तब सड़ी-गली लाश बरामद हुई।

पुलिस के मुताबिक, झारखंड के सिमडेगा निवासी पूनम लोमगा की चार साल पहले फेसबुक के जरिए सुगड़ टोपनो से दोस्ती हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। कुछ समय पहले पूनम अपने पति और बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ भाग गई थी, लेकिन 15 दिन बाद वापस घर लौट आई। घर लौटने के बाद उसने प्रेमी संग मिलकर पति विनोद लोमगा को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली।योजना के तहत प्रेमी सुगड़ टोपनो अपने दोस्तों के साथ बिलासपुर पहुंचा और विनोद को फोन कर 10 हजार रुपए देने तथा पत्नी को छोड़ देने का झांसा दिया। विनोद पत्नी पूनम के साथ 19 मई को बिलासपुर के सिरगिट्टी पहुंच गया। बताया जा रहा है कि सभी लोग रेलवे ट्रैक किनारे सुनसान इलाके में पहुंचे, जहां पहले विनोद के साथ मारपीट की गई।

भोरमदेव मंदिर के इतिहास की झलक दिखे संग्रहालय में - विजय शर्मा

- उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण का किया निरीक्षण, बैठक लेकर की प्रगति की गहन समीक्षा

- उप मुख्यमंत्री ने परियोजना क्षेत्र में लैंडस्केपिंग के अनुसार छायादार वृक्षारोपण के दिये निर्देश

रायपुर (ए)। स्वदेश दर्शन योजना के तहत भोरमदेव क्षेत्र में चल रहे 146 करोड़ रुपए के भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण कार्य को लेकर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज भोरमदेव स्थित सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक ली। बैठक में रायपुर से पहुंचे पर्यटन विभाग के एम डी विवेक आचार्य भी मौजूद रहे। बैठक के पहले उप मुख्यमंत्री शर्मा ने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, निर्माण एजेंसीज के इंजिनियर्स और ठेकेदारों के साथ पूरे प्रोजेक्ट एरिया का भ्रमण कर चल रहे कार्यों का विस्तार से मुआयना किया। जिसके पश्चात उन्होंने बैठक लेकर परियोजना के हर हिस्से पर चल रहे काम और आगे की कार्ययोजना की बारी-बारी समीक्षा की। समीक्षा बैठक में मंदिर परिसर, प्रवेश द्वार, संग्रहालय, पर्यटक सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यों के प्रोजेक्ट प्लान के अनुसार बेस वर्क, परिसर की लैंडस्केपिंग व वृक्षारोपण, सरोवर के सौंदर्यीकरण जैसे बिंदुओं पर मैराथन समीक्षा हुई।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यह परियोजना आने वाले कई सालों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है, इसलिए हर कार्य मजबूत, टिकाऊ और मानक अनुसार होना चाहिए। उन्होंने सख्त और स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी

भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए और इसके लिए पर्याप्त मशीनरी और मानव संसाधन बढ़ाया जाए। किसी भी स्थिति में कार्य में देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि किसी प्रकार की तकनीकी या अन्य कोई समस्या आती है तो उसकी जानकारी तुरंत दी जाए, आवश्यक काम प्रभावित नहीं होना चाहिए।समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री ने हर सोमवार होने वाली प्रगति मॉनिटरिंग की जानकारी ली और अब तक हुए कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से फील्ड में मौजूद रहें और निर्माण कार्य की लगातार निगरानी करें। उन्होंने पर्यटन विभाग के इंजीनियरों को भी निर्देशित किया कि वे निर्माण एजेंसियों को तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएं ताकि कार्य की गति और गुणवत्ता दोनों बनी रहे। बैठक के दौरान मंदिर परिसर, सरोवर, मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुआ तथा सरोदा डैम से जुड़े निर्माण कार्यों की भी विस्तार से समीक्षा की गई और उनकी प्रगति पर चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉरिडोर के प्रवेश द्वार, खंभों और दीवारों में फणी नागवंशी स्थापत्य शैली की स्पष्ट झलक दिखाई देनी चाहिए ताकि यहां आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक छत्तीसगढ़ की प्राचीन संस्कृति से जुड़ सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि द्वार पर स्थापित होने वाला नंदी प्रतिमा विशाल और आकर्षक हो जिससे परिसर का भव्य स्वरूप और अधिक प्रभावी दिखे।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने आदिवासी संग्रहालय के विकास और विस्तार पर भी जोर दिया और कहा कि भोरमदेव क्षेत्र की ऐतिहासिक और पौराणिक कथाओं को संग्रहालय में प्रभावी तरीके से प्रदर्शित किया जाए। साथ ही मंदिर निर्माण की पूरी कथा और इतिहास को भी वहां दर्शाया जाए ताकि पर्यटकों को जानकारी मिल सके।

भीषण गर्मी में यात्रियों को राहत पहुंचाने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की विशेष पहल

बिलासपुर (आरएनएस)। बिलासपुर भीषण गर्मी एवं लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों को राहत प्रदान करने हेतु प्रमुख स्टेशनों पर वाटर मिस्टिंग सिस्टम प्रभावी रूप से संचालित किए जा रहे हैं। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रेलवे प्रशासन द्वारा गर्मी के मौसम में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव एवं गोंदिया स्टेशनों के प्लेटफार्मों पर स्थापित मिस्टिंग सिस्टम के माध्यम से सूक्ष्म जल फुहारों का छिड़काव किया जा रहा है। इस तकनीक से प्लेटफार्मों के आसपास के वातावरण के तापमान में कमी आती है, जिससे ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों को गर्मी एवं उमस से काफी राहत मिलती है।विशेष रूप से दोपहर के समय, जब तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है, तब यह व्यवस्था यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। प्लेटफार्मों पर लगातार संचालित हो रहे जल फुहारों से वातावरण अपेक्षाकृत शीतल बना रहता है, जिससे यात्रियों को अधिक आरामदायक अनुभव प्राप्त हो रहा है।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गर्मी के मौसम में इस प्रकार की यात्री हितैषी व्यवस्थाओं को निरंतर प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को सुरक्षित एवं सुखद यात्रा अनुभव उपलब्ध कराया जा सके।

खेल समाचार

कोलकाता नाइट राइडर्स को लगा बड़ा झटका, 18 करोड़ का खिलाड़ी केवल 8 गेंद फेंककर टूर्नामेंट से हुआ बाहर

नईदिल्ली, (आरएनएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के आईपीएल 2026 प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है. टीम के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना हैमस्ट्रिंग चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं।

पथिराना को केकेआर ने 18 करोड़ रुपये में साइन किया था, लेकिन वो इस टूर्नामेंट में केवल 8 गेंद ही फेंक सके. इसकी सबसे बड़ी वजह उनकी इंजरी रही है. जिसके चलते वो कई मैच बाद टीम से जुड़े और जब इस सीजन वो अपना पहला मैच खेले तो केवल 8 गेंद फेंकने के बाद दोबारा चोटिल होकर पवेलियन लौट गए. उसके बाद वो अपनी चोट से उबर नहीं सके।

केकेआर ने चोटिल पथिराना की जगह 25 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज लुवनित सिसोदिया को 30 लाख रुपये में टीम में चुना है. इससे पहले वो आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और केकेआर का हिस्सा रह चुके हैं. घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने वाले सिसोदिया ने 15 टी20 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 124 रन बनाए हैं।

सिसोदिया के टीम में शामिल होने से केकेआर की टीम की गहराई और मजबूत हुई है, खासकर तब जब अंगकृष रघुवंशी सिर में चोट और उंगली में फ्रैक्चर के कारण टीम से बाहर हो गए हैं।

तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी बहुत कम हैं. 13 मैचों में 13 पॉइंट्स और 0.011 के नेट रन रेट के साथ, वे पंजाब किंग्स से पीछे हैं. पंजाब किंग्स ने शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से हराकर अपना एनआरआर बढ़ाकर 0.309 कर लिया था।

केकेआर के लिए समीकरण सीधा है, लेकिन मुश्किल भी. उन्हें अपने आखिरी लीग मैच में न सिर्फ दिल्ली कैपिटल्स को हराना होगा, बल्कि नेट रन रेट के मामले में पीबीकेएस से आगे निकलने के लिए उन्हें बड़े अंतर से जीत भी हासिल करनी होगी. लेकिन अगर उससे पहले राजस्थान मुंबई को हरा देता है तो फिर केकेआर और पंजाब दोनों टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे।

मुंबई ने हारकर पंजाब-कोलकाता को टूर्नामेंट से किया बाहर, राजस्थान प्लेऑफ में पहुंचने वाली बनी चौथी टीम

नईदिल्ली,(आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का प्लेऑफ का रास्ता साफ हो गया है, क्योंकि राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बन गई है. उन्होंने अपने आखिरी लीग मैच में मुंबई इंडियंस को उन्हीं के घर में 30 रनों से हरा दिया है. इसके साथ पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई.

वानखेड़े में खेले गए मैच में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 208 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. जवाब में मुंबई की टीम 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 175 रन ही बना सकी।

राजस्थान की तरफ से जायसवाल (27), जुरेल (38), शानाका (29) और जोफ्रा आर्चर ने (32) रनों का योगदान दिया. वहीं गेंदबाजी में जोफ्रा सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने 4 ओवर में केवल 17 रन देकर 4 विकेट हासिल किए. इसके अलावा बर्गर, शर्मा और पंजा को 2-2 विकेट मिले।

वहीं मुंबई की तरफ से सूर्यकुमार यादव ने सबसे ज्यादा 60 रनों की पारी खेली. इसके अलावा विल जैक्स 33 और कप्तान पांड्या ने 34 रन बनाए, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके. गेंदबाजी में दीपक चाहर और शार्दुल ठाकुर ने 2-2 विकेट लिए, जबकि जैक्स, गजनफर और बॉश को एक-एक विकेट मिला।

आईपीएल के 19 वें सत्र में बुमराह के नाम दर्ज हुआ अनचाहा विश्व रिकार्ड

एक विकेट के लिए लुटाये 102 रन

मुम्बई (ए.)। मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का आईपीएल के 19 वे सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा और

वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। सबसे हैरानी की बात ये रही कि उन्होंने एक विकेट के लिए 102 रन लुट दिये। इस प्रकार बुमराह के नाम इस सत्र में टी20 क्रिकेट इतिहास का सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। उनके आंकड़े इतने हैरानी भरे रहे कि लग ही नहीं रहा था कि बुमराह गेंदबाजी कर रहे हैं। अपनी सटीक यॉर्कर और धीमी गेंदों के कारण बल्लेबाजों के विकेट लेने वाले बुमरार पर इस सत्र में जमकर चौके, छक्के लगे।

सत्र में बुमराह ने कुल 13 मैच खेले और हैरान वाली बात यह रही कि वे केवल 4 विकेट ही ले पाए। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ लीग के अंतिम मुकाबले में उन्हें आराम दिया गया था। सत्र के 13 मैचों में 4 विकेटों के लिए उन्होंने कुल 410 रन दे दिये। ये रन उन्होंने 294 गेंदों में दिए गए। यदि उनके एक विकेट पर खर्च हुए रनों का औसत निकाला जाए, तो यह आंकड़ा हैरान कर देने वाला 102.5 रन प्रति विकेट आता है। टी20 क्रिकेट के इतिहास में यह किसी भी ऐसे गेंदबाज का सबसे खराब औसत है जिसने एक ही टूर्नामेंट में 40 या उससे अधिक ओवर फेंके हों।

आईपीएल 2026 प्लेऑफ की जंगः चार टीमें - वन ड्रीम, देखें प्लेऑफ मैचों का पूरा शेड्यूल

नईदिल्ली,(ए.) इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के प्लेऑफ में पहुंचने वाली टीमों को लेकर अब पूरी तस्वीर साफ हो गई है. रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, गुजरात टाइटन्स, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं. खास बात ये है कि ये चारों टीमें अब तक एक-एक बार आईपीएल टाइटल अपने नाम कर चुकी है. इस बार जो भी टीम फाइनल मैच जीतेगी वो दूसरी बार चैंपियन बन जाएगी।

अंक तालिका में टॉप-3 के पॉइंट्स 18-18 हैं. लेकिन बेहतर नेट रन रेट की वजह से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर सबसे ऊपर पहले नंबर पर है, उसके बाद गुजरात दूसरे और हैदराबाद तीसरे स्थान पर है. वहीं राजस्थान 16 अंको के साथ चौथे स्थान पर है. इसके अलावा पंजाब किंग्स 15 पॉइंट्स के साथ पांचवें नंबर पर है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स 14 अंक हासिल करके छठे स्थान पर पहुंच गई. वहीं केकेआर 13 पॉइंट्स के साथ सातवें नंबर पर रहकर अपने अभियान को समाप्त किया. चेन्नई सुपर किंग्स 12 अंको के साथ 8वें, मुंबई और लखनऊ 8-8 पॉइंट्स के साथ 9वें और 10वें नंबर पर

रहीं.आईपीएल 2026 के लीग मैच खत्म होने के बाद 26 मई से प्लेऑफ की जंग शुरू हो जाएगी, जिसमें फाइनल समेत कुल 4 मैच खेले जाएंगे. आइए जानते हैं कि ये मैच कब और कहां खेले जाएंगे

टेबल टॉपर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और गुजरात टाइटन्स क्वालीफायर-1 में एक-दूसरे का सामना करेंगी. इस मैच की विजेता टीम सीधे फाइनल में पहुंच जाएगी. इसीलिए दोनों टीमें इस मैच को बहुत अहम मान रही हैं. वे इस मैच को जीतकर सबसे पहले फाइनल में अपनी जगह पक्की करने की पूरी कोशिश करेंगी. लेकिन हारने वाली टीम को एक और मौका मिलेगा. यह अहम मैच मंगलवार (26 मई) को धर्मशाला में खेला जाएगा. शाम 7 बजे टॉस होगा और 7:30 बजे मैच शुरू होगा.सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स, जो पॉइंट्स टेबल में तीसरे और चौथे नंबर पर हैं, एलिमिनेटर मैच में एक-दूसरे का सामना करेंगे, लेकिन, यहां हारने वाली टीम को दूसरा मौका नहीं मिलेगा वो सीधे टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी. इसीलिए ये मैच भी दोनों टीमों के लिए काफी ज्यादा महत्वपूर्ण है. जीतने वाली टीम क्वालीफायर-2 में जाएगी. यह मैच बुधवार (27 मई) को चंडीगढ़ में शाम 7:30 बजे से शुरू होगा.

क्वालीफायर-1 में हारने वाली टीम और एलिमिनेटर जीतने वाली टीम क्वालीफायर-2 में एक-दूसरे का सामना करेंगी. यहां जीतने वाली टीम खिताबी जंग के लिए क्वालीफाई कर जाएगी. उसके बाद, फाइनल जीतने वाली टीम चैंपियन बनेगी. इस हिसाब से, तीसरे और चौथे नंबर पर रहने वाली टीमों को चैंपियन बनने के लिए लगातार तीन मैच जीतने होंगे. क्वालीफायर-2 मैच 29 मई (शुक्रवार) को चंडीगढ़ में होगा, और फाइनल मैच 31 मई (रविवार) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा.

इस बीच, इस सीजन के लीग मैचों की तरह ही, प्लेऑफ के मैच भी स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के चैनलों पर लाइव देखे जा सकते हैं. इसके अलावा मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियो स्टार पर भी उपलब्ध होगी. प्लेऑफ के मैच भारतीय समय के अनुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होंगे. जबकि टॉस मैच शुरू होने से आधा घंटा पहले 7 बजे होगा.

विराट कोहली से तकरार के बाद ट्रेविस हेड के परिवार को मिली गालियां, पत्नी जेसिका का दर्द छलका

नई दिल्ली (आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड की पत्नी जेसिका हेड ने दावा किया है कि उन्हें और उनके पति को एक बार फिर भारतीय क्रिकेट फैंस की अभद्र टिप्पणियों का सामना करना पड़ रहा है। जेसिका का दावा है कि न सिर्फ उन्हें बल्कि उनके दोस्तों और फैमिली मेंबर्स को भी इनबॉक्स में नफरतभरे शब्दों और गालीगलौज वाले संदेशों से जूझना पड़ रहा है। ये सब आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद और आरसीबी के मैच के बाद हुआ जिसमें विराट कोहली और ट्रेविस हेड ने एक दूसरे पर हल्के-फुल्के अंदाज में छींटाकशी की थी।

ट्रेविस हेड की पत्नी जेसिका ने ऑस्ट्रेलिया के मीडिया आउटलेट द एडवर्टाइजर से कहा, 'वर्ल्ड कप के बाद जिस तरह के ऑनलाइन एब्यूज का सामना करना पड़ा था, ये उसी के दोहराव जैसा लग रहा। मैं जगी तो सोशल मीडिया पर ये सब हो रहा था.हम तो ठीक हैं लेकिन वे हमारे दोस्तों और परिजनों पर भी हमला कर रहे हैं।'सोशल मीडिया पर यूजर्स का एक तबका हेड और उनकी पत्नी को लेकर अभद्र टिप्पणियां कर रहा है। इनमें से कई ने तीन साल पहले हुई उनकी शादी की तस्वीरों पर टिप्पणियां कर रहे हैं। कुछ उनके परिजनों को भी लपेट रहे हैं और जहरीली टिप्पणियां कर रहे हैं। यहां तक कि धमकियां तक दे रहे हैं।ऐसा पहली बार नहीं है जब जेसिका को भारतीय क्रिकेट फैंस के एक तबके ने निशाना बनाया है। 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल और उसी साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के बाद भी कुछ ऐसा ही हुआ था। कथित तौर पर उन्हें रेप और अपहरण की धमकी दी गई थी। 2024 में जब बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया था तब भी जेसिका को ऑनलाइन एब्यूज का सामना करना पड़ा था।

नोवाक जोकोविच ने कोर्ट पर उतरते ही रचा इतिहास, रोजर फेडरर का टूट गया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नईदिल्ली, (आरएनएस)। टेनिस का बड़ा ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन 24 मई को पहले राउंड के मैचों के साथ शुरू हो गया. सर्बिया के स्टार खिलाड़ी नोवाक जोकोविच पहले राउंड में अपना पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी की. उन्होंने फ्रांसीसी खिलाड़ी जियोवानी एम्पेटशी पेरिकार्ड के खिलाफ 5-7, 7-5, 6-1 और 6-4 से शानदार जीत दर्ज की।

जोकोविच 2016, 2021 और 2023 में फ्रेंच ओपन जीतने के बाद अब अपना चौथा फ्रेंच ओपन खिताब जीतने का लक्ष्य बना रहे हैं. गौरतलब है कि 2023 यूएस ओपन के बाद से उन्होंने कोई बड़ा खिताब नहीं जीता है, लेकिन वे सेमीफाइनल और फाइनल तक पहुंचने में कामयाब रहे हैं।

जोकोविच ने मैच जीतने से पहले ही कोर्ट पर उतरकर इतिहास रच दिया था. 39 साल के इस खिलाड़ी ने रोजर फेडरर का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास की किताबों में अपना नाम दर्ज करा लिया. 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में 82वीं बार हिस्सा ले रहे है।

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, टी20 लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टीनएज बल्लेबाज का रिकॉर्ड अपने नाम किया

मुंबई (आरएनएस)। वैभव सूर्यवंशी ने रविवार को इतिहास रच दिया। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन कर रहे वैभव किसी भी टी20 लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टीनएजर बन गए हैं।

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के 15 साल के इस बल्लेबाज को मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मैच में रिकॉर्ड अपने नाम करने के लिए सिर्फ 2 रनों की जरूरत थी। उन्होंने पारी के दूसरे ओवर में यह उपलब्धि हासिल की। विल जैक्स की गेंद पर दूसरा रन लेते ही उन्होंने आधिकारिक तौर पर टी20 टूर्नामेंट में किसी टीनएजर द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रनों का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 के 14 मैचों में 483 रन बनाए हैं। उन्होंने इस टूर्नामेंट में खुद को सबसे बेहतरीन युवा प्रतिभाओं में से एक के तौर पर स्थापित किया है। बिहार के इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने सीजन में अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है। 15 वर्ष की उम्र होने के बावजूद उन्होंने तेज और स्पिन, दोनों तरह की गेंदबाजी के खिलाफ निडर होकर बल्लेबाजी की है और परिपक्वता दिखाई है। टीनएज बल्लेबाजों का पिछला रिकॉर्ड देवदत्त पडिक्कल के नाम था। उन्होंने 2019-20 के सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में कर्नाटक क्रिकेट टीम के लिए 19 साल की उम्र में 580 रन बनाए थे।

परिवहन मंत्री श्री सिंह ने गंगा दशहरा के अवसर पर सेठानी घाट पर पूजन अर्चन कर मां नर्मदा की महाआरती में हुए शामिल

मंत्री श्री सिंह ने गंगा दशहरा के अवसर पर विवेकानंद घाट पर श्रमदान कर पौधारोपण किया

नर्मदापुरम(निप्र) । प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने सोमवार को गंगा दशहरा के अवसर पर सेठानी घाट पहुंचकर नित्य होने वाली नर्मदा महाआरती में शामिल होकर सस्वर में मां नर्मदा अष्टक का पाठ किया तथा मां नर्मदा की पूजन अर्चन कर उन्हें पुष्प भेंट कर चुनरी चढ़ाई। मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने सोमवार को गंगा दशहरा के अवसर पर नर्मदापुरम जिले के विवेकानंद घाट पर पहुंचकर श्रमदान किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं हाथो में झाड़ू लेकर घाट की सफाई की और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी, नगर पालिका नर्मदा पुरम के अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेंद्र यादव एवं जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों एवं नागरिक गणों ने एक साथ मिलकर विवेकानंद घाट की सफाई कर घाट को स्वच्छ किया। सभी ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। मंत्री श्री राव ने कहा कि सभी को प्रतिदिन अपने आसपास के परिसर घर एवं घाट को साफ और स्वच्छ बनाना चाहिए। स्वच्छता को प्रतिदिन की अपनी आदत बनाना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि श्रीमती प्रीती पवन शुक्ला, श्रीमती सविता दीवान शर्मा, विकास नारोलिया, रूपेश राजपूत, दिनेश शर्मा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, एसपी साई कृष्ण एस थोटा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, एडीएम अनिल जैन, अपर कलेक्टर बृजेन्द्र रावत, एसडीएम जय सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर डॉ बबिता राठौर, समाजसेवी डीएस दांगी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम में मानसिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित

18 बंदियों की स्क्रीनिंग कर दिया गया परामर्श एवं उपचार

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल एवं जेल मुख्यालय म.प्र. भोपाल के आदेश के अनुपालन में प्रतिमाह मई 2026 को केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम के खण्ड-अ में निरूद्ध बंदियो हेतु जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम मन कक्ष द्वारा एक दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम से डॉ, अंकिता मेहतो (PGMO) मन कक्ष से सुश्री नाजिया सिद्धिकी (क्लीनिकल सॉयक्लोजिस्ट), कांति यदुवंशी नर्सिंग ऑफिसर द्वारा परिरूद्ध 06 पुरुष बंदी एवं 12 महिला बंदी कुल 18 बंदियो की स्क्रीनिंग कर परामर्श एवं उपचार दिया गया।आयोजित शिविर के दौरान संतोष जेल अधीक्षक प्रह्लाद सिंह बरकडे उप-अध्यक्ष, हितेश बंदिया सहायक-अध्यक्ष जेल, डॉ चौधरी चौधरी अष्टकोण अधिकारी,डॉ. चौधरी रिया तारूआ (मेडिकल प्रोफेसर), श्रीमती इंदुराज भंडारी (मेलनर्स) एवं जेल स्टाफ सहायक रहते हैं।

गंगा दशहरा पर नर्मदापुरम में निकली भव्य 12 ज्योतिर्लिंग कलश यात्रा

200 महिलाओं की सहभागिता से भक्तिमय हुआ वातावरण, "नर्मदे हर" और "हर-हर महादेव" के जयकारों से गूंजा नगर

नर्मदापुरम (निप्र)। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद नर्मदापुरम की नवांकुर संस्था ज्ञान सरोवर वेलफेयर सोसाइटी एवं निष्ठा नगर विकास समिति मालाखेड़ी के संयुक्त तत्वावधान में नर्मदा के पावन गोंदरी घाट से भव्य 12 ज्योतिर्लिंग कलश यात्रा निकाली गई। मां नर्मदा के जयकारों, ढोल-नगाड़ों और भक्तिमय वातावरण के बीच निकली इस यात्रा ने पूरे नगर को शिवमय बना दिया। कलश यात्रा में 200 से अधिक महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर जल-कलश रखकर उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हर-हर महादेव, नर्मदे हर एवं भक्ति घोषों से पूरा मार्ग गूंज उठा। यात्रा गोंदरी घाट से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई 12 ज्योतिर्लिंग स्थल तक पहुंची, जहां विधि-विधान से जलाभिषेक किया गया। यह आयोजन टास्क मैनेजर दरयाव सिंह सूर्यवंशी, संभाग समन्वयक कौशलेश प्रताप तिवारी, जिला समन्वयक पवन सहगल एवं विकासखंड समन्वयक नरेंद्र देशमुख के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना एवं धार्मिक आस्था को मजबूत करने के साथ समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

आधे दिन खूब तपा नौतपा, दोपहर बाद बादलों ने तपन रोकी

आने वाले दिनों में हो सकती है तेज गर्मी

हवा चलने और बादल आने से तपन से हल्की राहत, गर्मी बरकरार

नर्मदापुरम (निप्र) । नौतपा के पहले दिन दोपहर तक सूर्यदेव तमतमाते रहे। जिससे बादलों को कुछ रहम आया बादल छाने और तेज हवा चलने से सूर्यदेव का तीखा असर कुछ कम हुआ। सूर्यदेव की तीखी तपन को अपनी आड़ देने से तपन से राहत हुई लेकिन गर्मी में कोई राहत नहीं हुई। पहले दिन तापमान कम ही रहा। दो दिन तक तापमान 42 से अधिक ही रहा है। सोमवार को सुबह से ही सूर्य की किरणें तीखी गर्मी उत्पन्न कर रही है। इससे ऐसा लग रहा था कि सूर्य के रोहणी नक्षत्र में आने के पहले दिन ही अधिकतम तापमान 42 से 44 तक जा सकता है। लेकिन दोपहर होते ही तेज हवाएं चलने लगी कुछ देर में बादल आ गए। जिससे कभी धूप कभी छाया होती रही।मौसम विभाग के अनुसार एक दो दिन में बादलों का डेरा कम होने के साथ ही गर्मी के बढ़ने की संभावना बन रही है। न्यूनतम तापमान 24 दर्ज हुआ है। इसी प्रकार पचमढ़ी का अधिकतम तापमान भी पहले दिन कम ही दर्ज हुआ है। ऐसा लग रहा है कि अभी तो नौतपा की शुरूआत हुई है। आने वाले दिनों में जरूर नौतपा अपना असर दिखाएगा।

गंगा दशहरे पर नर्मदे हर के साथ हर हर गंगे का होता है जयघोष

नर्मदा तट पर गंगा दशहरे पर उमड़े श्रद्धालु, खूब हुए भंडारे के आयोजन

नर्मदापुरम(निप्र) । नर्मदा तट पर दो अवसर ऐसे आते हैं जब बड़ी संख्या में स्नान करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के द्वारा हर-हर नर्मदेहर के साथ हर-हर गंगे का जयघोष किया जाता है। सोमवार को ज्येष्ठ माह की दसमी तिथि के अवसर पर गंगा दशहरा भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस विशेष स्नान पर्व पर घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ था। नर्मदा जी में डुबकी लगाकर गंगा और नर्मदा स्नान का पुण्य लाभ लिया। पं अभिलाष शर्मा ने बताया कि नर्मदा जी व गंगा में स्नान करने का गंगा दशहरे का विशेष महत्व है। इस दिन धार्मिक अनुष्ठान किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि घट-घट में गंगा और पग-पग पर नर्मदा हैं। इसलिए गंगा दशहरे के अवसर पर भी देश भावना को ध्यान में रखते हुए नर्मदा जी में स्नान करने के दौरान हर हर नर्मदे हर के साथ हर हर गंगे का स्मरण करना चाहिए। जिन्होंने गंगा दशहरे पर नर्मदा में डुबकी लगाकर हर हर गंगे का जयघोष किया है उन्हें दोनों पवित्र नदियों के स्नान पर्व का लाभ लिया है। गंगा दशहरा का पर्व नर्मदा तट पर उल्लास के साथ मनाया गया। गंगा दशहरे के दिन गंगा नदी में स्नान करने के बाद पित्तरों का तर्पण करने से उन्हें भी मुक्ति की प्राप्ति होती है।

खूब हुए भंडारे के आयोजन

शहर के मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठानों का भी सिलसिला सुबह से शाम तक जारी रहा। स्नान के बाद अधिकांश श्रद्धालु मंदिरों में पहुंचे वहां पर पूजन अभिषेक किए गए। इसी के साथ कई घरों तथा मंदिरों और घाटों पर पर सत्यनारायण भगवान की कथा, कन्याभोज और भंडारे का भी आयोजन होता रहा।

सुरक्षा के व्यापक इंतजाम

घाटों पर प्रशासन के द्वारा व्यवस्थाएं की गई थी। होम गार्ड और पुलिस जवान तैनात रहे। वहीं गोताखोर नाव डोंगे से निगरानी करते रहे। प्रशासननिक अधिकारी भी घाटों पर निरीक्षण करने के लिए आते रहे।

मां नर्मदा की महाआरती को हुए 16 वर्ष पूरे

नर्मदापुरम।गंगा दशहरे की शुभ अवसर पर सेठानी घाट पर मां नर्मदा जी की महा आरती संपन्न हुई। महाआरती समिति के प्रशांत दुबे मुन्नू ने बताया कि आज से 16 वर्ष पूर्व गंगा दशहरे पर ही मां नर्मदा महाआरती की शुभारंभ हुआ था तब से अब 16 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। हर पूर्णिमा पर तो महाआरती होती ही है। इसके अलवा अन्य अनेक अवसरों पर मां नर्मदा की महाआरती का आयोजन होता है। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होते हैं। विशेष बात यह है कि कोरोना काल में भी मां नर्मदा की महाआरती का आयोजन रोका नहीं गया है। एक दो सदस्य ही रहे लेकिन महाआरती होती रही है।

नर्मदापुरम बस एसोसिएशन ने मंत्री राव उदय प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपा

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम बस एसोसिएशन के पदाधिकारी राकेश फौजदार और संजय शिवहरे ने परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए बस संचालन में आ रही कठिनाईयों संबंधी ज्ञापन सौंपकर अपनी बात रखी। इस मौके पर राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने भी बस एसोसिएशन का पक्ष लेते हुए मांगों की पूर्ति करने के लिए मंत्री से आग्रह किया। अनेक बस मालिक भी ज्ञापन देने के दौरान शामिल रहे।

छुटभैओं के कारण खराब होने लगती है पार्टी की छबी

पार्टी सत्ता में रहते ही छोटा पावर मिलते ही आ जाते हैं गुरूर में , कांग्रेस शासन काल में भी होता था

नर्मदापुरम (निप्र)। 'प्रभुता पाई काहू मद नाही' वाली कहावत पार्टियों पर भी लागू होती है। सत्ता में रहने वाली पार्टियों के छुटभैयों का आलम यह होता है कि ही वे अपनी ही पार्टी की छबि धूमिल करने में नहीं चूकते हैं। तब और उनका गुरूर सिर चढ़ जाता है जब उनकी पार्टी का कोई मंत्री आया हो या आने वाला हो तो वह गाड़ी के नीचे चलने वाले की पोजीशन में हो जाते हैं। ऐसा पहले कांग्रेस जब सत्ता में थी तब उनके छुटभैये भी ऐसी ही पोजीशन में थे। देखने में आता है कि बड़े नेता फिर भी शालीनता में रहते हैं लेकिन कुछ छुट भैये ज्यादा पावर दिखाने लगते हैं। यदि उनको कोई छोटा मोटा पद और मिल जाए तो करेला और नीम चढ़ा वाली कहावत उन पर चरितार्थ होने लगती है। जब यदि कुछ छुट भैये कुछ ज्यादा ही अपनी चलाने लगें और उनके बढ़े उन्हें नहीं रोक पाएं तो समझ लेना चाहिए कि अब उनकी पार्टी नीचे जाने वाली है। ऐसा कांग्रेस के साथ हुआ है।

जिले में सुचारू रहे पेयजल आपूर्ति, पीएचई एवं नगरीय प्रशासन विभाग पेयजल संबंधी समस्याओं का करें त्वरित समाधान : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

सीएम हेल्पलाइन : सी एवं डी श्रेणी में रहने पर संबंधित विभागीय अधिकारी भरेंगे जुर्माना, रेडक्रॉस सोसाइटी में करना होगा जमा

नर्मदापुरम (निप्र)। सोमवार को आयोजित समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने स्पष्ट एवं सख्त निर्देश दिए कि जिले में किसी भी स्थान पर पेयजल आपूर्ति से संबंधित कोई भी शिकायत आने पर पीएचई एवं अन्य संबंधित विभाग तत्काल एक्शन लें। उन्होंने समस्त एसडीएम को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र में प्रतिदिन पानी की उपलब्धता तथा जल आपूर्ति के संबंध में प्राप्त हो रही शिकायतों की समीक्षा करते हुए त्वरित रूप से प्रभावित क्षेत्रों में सहायता उपलब्ध कराऐं। उन्होंने कहा कि जलापूर्ति से संबंधित सभी विभागों के जिलाधिकारी अपने-अपने अधीनस्थ अमले को पेयजल आपूर्ति से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए ताकीद कर दें। इसी प्रकार उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में जल आपूर्ति की सतत मॉनिटरिंग के लिए सभी सीएमओ को निर्देशित किया कि क्षेत्र में किसी भी स्थान पर जलापूर्ति की समस्या होने पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पानी के टैंकर अथवा अन्य किसी भी माध्यम से त्वरित गति से जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सख्त रूप से निर्देशित किया कि जलापूर्ति से संबंधित शिकायत अथवा सीएम हेल्पलाइन प्रकरण एक दिवस से अधिक लंबित पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि जिन स्थान पर पेयजल स्रोत के सुधार कार्य में एक दिवस से अधिक का समय लग रहा हो उन स्थानों पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने ऊर्जा विभाग को निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन के तहत जिले में संचालित नल जल योजना अंतर्गत किसी भी स्थान पर बिजली कनेक्शन काटे जाने जैसी समस्या उत्पन्न ना हो यह सुनिश्चित किया जाए। पीएचई विभाग दोबारा से अभियान मोड में जिले में स्थापित समस्त हैंड पंप आदि की जांच भी सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्माण कार्यों के दौरान विशेष सावधानी बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि सीवरेज लाइन अथवा अन्य निर्माण कार्य के समय पेयजल आपूर्ति की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने कहा कि जिले में सुचारू पेयजल उपलब्धता सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाए।

सीएम हैल्प्लाइन में 90 प्रतिशत से अधिक वेटेज स्कोर रहने पर अधिकारियों को प्रदान किये गये प्रशस्ती पत्र

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि ग्रेडिंग माह अप्रैल के दौरान अधिकारियों द्वारा सकारत्मक प्रयास किया गया। किंतु कुछ विभागों के प्रदर्शन अपेक्षा अनुरूप नहीं रहे हैं वे सभी विभाग अपनी अपनी स्थिति आगामी ग्रेडिंग माह में सुधारें। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देशित किया कि सभी विभाग अपेक्षा अनुरूप प्रदर्शन करते हुए आगामी माह में प्रदेश स्तर पर टॉप फाइव रैंकिंग के लिए प्रयास करें। इसी के साथ उन्होंने सी एवं डी श्रेणी में आने वाले विभागों के संबंधित अधिकारियों पर जुर्माना लगाए जाने के साथ ही जुर्माना राशि को रेड क्रॉस सोसाइटी में जमा किए जाने के निर्देश दिए।

साथ ही उन्होंने ऐसे विभाग जिन्होंने बी श्रेणी में स्थान प्राप्त किया है उन्हे नोटिस जारी किए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने शिकायतों केनिराकरण में अपेक्षाकृत अच्छा कार्य करने पर तथा कुल वेटेज स्कोर 90 प्रतिशत होने पर संबंधित अधिकारियों की प्रशंसा कर उन्हें प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किये। उन्होनें प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक श्रीमती नीता कोरी एवं महाप्रबंधक प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना सुश्री साक्षी पटेल को प्रशस्ती पत्र प्रदान कर उनका सम्मन किया। कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक के दौरान निर्देशित किया कि चिकित्सा-कानून से संबंधित शत प्रतिशत मामलों को मैडलेपर पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि सीएमएचओ प्रति सप्ताह उक्त संबंध में समीक्षा करें तथा अपने अधीनस्थ अमले को भी कार्योन्मुख करें। जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने ईई पीएचई को निर्देशित किया कि जिले में नल जल योजना हस्तांतरण के दौरान जल उत्सव मनाया जाए तथा व्यवस्थित रूप से ग्राम वासियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में योजना का हस्तांतरण सुनिश्चित किया जाए। इसी के साथ उन्होंने खेल मैदाने के लिए भूमि चिन्हांकित कर तत्संबंध में आवश्यक कार्रवाई किए जाने के निर्देश समस्त एसडीएम को दिए। समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर ने जिले में संचालित जनगणना 2027 के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने जनगणना से संबंधित आवश्यक रिपोर्ट जिला स्तर पर उपलब्ध न किए जाने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए जनगणना कार्य से संबंधित जानकारी को संशोधित करते हुए अद्यतन किए जाने के निर्देश दिए। इसी के साथ कलेक्टर ने जिले में आगामी मूंग उपार्जन को लेकर तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। समय सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर ने राहवीर योजना के तहत घायल व्यक्ति की मदद करने तथा गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाने के लिए ताज खान को प्रशस्ती पत्र प्रदान किया। उन्होंने श्री खान की प्रशंसा करते हुए कहा कि दुर्घटना के समय घायलो की सहायता करने एवं उन्हें अस्पताल पहुंचाना बहुत ही नेक काम है। समय सीमा की बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ हिमांशू जैन, एडीएम अनिल जैन, अपर कलेक्टर बृजेन्द्र रावत सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा पर जन अभियान परिषद द्वारा जिलेभर में आयोजित हुए विविध कार्यक्रम

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम गंगा दशहरा के पावन अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, नर्मदापुरम द्वारा जिलेभर में कलश यात्रा, जनसंवाद एवं श्रमदान कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में नर्मदापुरम विकासखंड के ग्राम आंवरी में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद राज्य कार्यालय के टास्क मैनेजर दरियाब सिंह सूर्यवंशी एवं संभाग समन्वयक कौशलेश प्रताप तिवारी के सानिध्य में कलश यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता के साथ जनसंवाद आयोजित कर सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण तथा जल संरक्षण के महत्व पर चर्चा की गई। इसके पश्चात ग्राम में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें स्वच्छता एवं जनभागीदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं नागरिकों ने गंगा दशहरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाजहित में सामूहिक सहभागिता को आवश्यक बताया।

10 वीं स्पोर्ट्स टूरिज्म ऑफ़ इंडिया नेशनल चैंपियनशिप

गोवा में समेरिटंस स्कूल के छात्रों ने परचम लहराया

नर्मदापुरम (निप्र)। हाल ही में गोवा में आयोजित 10 वीं स्पोर्ट्स टूरिज्म ऑफ़ इंडिया नेशनल चैंपियनशिप में समेरिटंस स्कूल के छात्रों ने सफलता का परचम लहराया। स्पर्धा में क्रिकेट में समेरिटंस की टीम चैंपियनशिप में विजेता रही। वहीं वॉलीबॉल प्रतियोगिता में उपविजेता रही। जबकि कबड्डी प्रतियोगिता में भी उपविजेता रहने का गौरव हासिल किया। टीम के कोच की भूमिका में विनोद कुमार साहू रहे। प्रतियोगिता में क्रिकेट में बेस्ट बैट्समैन का खिताब अथर्व दीक्षित को मिला एवं मैन ऑफ द सीरीज नमन मीना को प्राप्त हुआ। वॉलीबॉल में दक्ष को बेस्ट डिफेंडर का खिताब मिला एवं कबड्डी में बेस्ट डिफेंडर का किताब उत्कर्ष चौहान को मिला। इस उपलब्धि पर शाला के डायरेक्टर डॉ आशुतोष शर्मा प्राचार्य श्रीमती प्रेरणा रावत खेल प्रभारी डॉक्टर सचिन खंपरिया सहित समस्त खेल प्रेमियों ने बधाई एवं आशीर्वाद देकर उज्जवल भविष्य की कामना की।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com